

सीपी सिंह, पाहन, नवीन, मनीष, नीरा, जेपी पटेल व किशुन ने पर्चा भरा

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के चौथे चरण में 15 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है, वहीं तीसरे चरण में 17 सीटों के लिए चल रहे नामांकन प्रक्रिया के दौरान आज कई प्रत्याशियों द्वारा पर्चा दाखिल किया जा रहा है।

रांची जिले के हटिया विधानसभा सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी नवीन जायसवाल ने पर्चा दाखिल किया है। खिजरी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी रामकुमार पाहन ने भी पर्चा भरा। वहीं हजारीबाग से भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल, मांडू के भाजपा के प्रत्याशी जेपी पटेल और सिमरिया के भाजपा



प्रत्याशी किशुन दास समेत अन्य प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल किया। हजारीबाग सदर सीट से भाजपा प्रत्याशी के रूप में मनीष

जायसवाल ने नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सह सांसद जयंत सिन्हा उपस्थित थे। नामांकन के बाद

विधायक प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने पुनः अपनी जीत को सुनिश्चित बताया। उन्होंने कहा कि पिछले 5 सालों में जो विकास

किया है उसी के आधार पर जनता का समर्थन उन्हें प्राप्त है। सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा ने इस अवसर पर कहा कि हजारीबाग की सभी 5 सीटों पर जीत दर्ज करते हुए भाजपा एक बार फिर राज्य में रघुवर दास के नेतृत्व में सरकार बनाएगी। उन्होंने राज्य में हुए विकास की जानकारी दी। साथ ही कहा कि विकास कार्यों के आधार पर ही भाजपा को लोगों का जन समर्थन प्राप्त है। इधर, सिमरिया विधानसभा सीट के लिए भाजपा प्रत्याशी किशुन दास ने भी पर्चा दाखिल किया। मुख्यमंत्री रघुवर दास भी किशुन दास के नामांकन सभा को संबोधित किया। कोडरमा विधानसभा सीट भाजपा प्रत्याशी नीरा यादव ने पर्चा दाखिल किया।

उग्रवाद खात्म होने का दावा बंद करे भाजपा : कांग्रेस



दी प्रतिक्रिया

कांग्रेस प्रवक्ता ने भाजपा नेताओं का यह बयान कि कांग्रेस ने 70 वर्षों में आदिवासियों ने लिप् कुछ नहीं किया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का सपना कि गांवों में अधिकार प्राप्त हो पंचायती राज्य व्यवस्था के माध्यम से उसे राजीव गांधी ने सत्ता में आते ही संवैधानिक रूप देकर कानून बना दिया। यही वजह है कि आज हमारा गांव मजबूत हुआ, सत्ता का विकेन्द्रीकरण हुआ और लोकतंत्र में महिलाओं की सर्वाधिक भागीदारी सुनिश्चित हुई। यहां तक कि आदिवासियों के जल-जंगल जमीन की सुरक्षा के लिए पेशा कानून भूमि अधिग्रहण अध्यादेश कानून वनों का अधिकार कानून, पांचवीं सूची में शामिल किया। जबकि भाजपा नेताओं ने ही आदिवासियों को उनके अधिकारों से वंचित करने का पुरजोर प्रयास किया और कानून का माखौल उड़या।

रिकॉर्ड बनाने के लिए भाजपा लड़ रही है चुनाव : रामविचार नेताम

नवीन के नामांकन में उमड़ी भीड़



रांची। हटिया से भाजपा प्रत्याशी विधायक नवीन जायसवाल ने आज अपना नॉमिनेशन भरा उसके उपरांत हरम्पू मैदान में सभा का आयोजन किया गया। जिसमें अनुसूचित जनजाति के राष्ट्रीय अध्यक्ष शाह झारखंड के सह प्रभारी रामविचार नेताम रांची के सांसद संजय सेठ राज्यसभा के सांसद महेश पौदार अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष कमाल खान रांची की मेयर आशा लकड़ा विशेष रूप से उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए रामविचार नेताम ने कहा कि हटिया से हम चुनाव जीतने के लिए नहीं रिकॉर्ड बनाने के लिए लड़ रहे हैं, जिस तरह आज की सभा में जनसैलाब उमड़ा है उसे विधायक की लोकप्रियता का पता लगता है कि विधायक ने अपने क्षेत्र में कितना विकास किया है । विधायक क्षेत्र की जनता के प्रति चिंता करने वाला है वह हमेशा क्षेत्र के भाई-बहन बड़े बुजुर्ग युवा किसान एवं महिलाओं के विकास के लिए चिंतित रहते हैं । ऐसा कार्यक्रम पहले हमने कभी नहीं देखा मुझे लगता है ऐसे ही जनप्रतिनिधि होनी चाहिए जिस तरह रघुवर दास की सरकार झारखंड की जनता के विकास के लिए निरंतर काम कर रहे हैं खासकर महिलाओं को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ने 1 में महिलाओं को 50 लाख तक जमीन की रजिस्ट्री हो जाने के सभी गांव में लाइट लगाने का काम हो मुख्यमंत्री आरोग्य योजना के तहत संहिया बहनों को एक किट दिया जा रहा है जिसमें फर्स्ट ऐड एवं प्राथमिकता उपचार के लिए दवाई होती है देश में पहली बार झारखंड में महिलाओं को ट्रेनिंग देकर मिट्टी का डॉक्टर बनाया जा रहा है ऐसे कई योजनाएं चलाई जा रही है। नवीन जयसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि वे कभी नेता के रूप में नहीं एक बेटा और भाई के रुप वे लोगों के साथ खड़ा है। इस 5 सालों में हटिया के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। कांग्रेस के भी विधायक दो बार हटिया से रहे सांसद रहे परंतु 70 सालों में कांग्रेस ने हटिया को अपेक्षित रखा। परंतु इन 5 सालों में हटिया का चौमूखी विकास हुए हैं। कांग्रेस ने 70 साल से गरीबी हटाओ का नारा देती रही। परंतु कांग्रेस ने गरीबी तो नहीं हटा सकी गरीबों को ही हटा दिया

मुख्य निर्वाचन आयुक्त व नड्डा-गडकरी के बयान में विरोधाभाष-कांग्रेस

रांची। झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा कांग्रेस भवन राँची में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने किया इस अवसर पर आलोक कुमार दूबे, डॉ. राजेश गुप्ता, राजीव रंजन प्रसाद, शमशेर आलम, मौजूद थे।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जे.पी.नड्डा तथा केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार नितिन गडकरी का यह बयान कि झारखण्ड से नक्सलवाद का पूरी तरह से ख़ात्मा हो गया है बिल्कुल निराधार है। मुख्य चुनाव आयोग भारत ने कल ही कहा है अभी नक्सलवाद यथावत है। चुनाव आयोग के अनुसार 19 जिले आति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र हैं और 81 में से 67 विधानसभा क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति अच्छी नहीं है। कांग्रेस पार्टी ने भाजपा नेताओं को नसीहत दी है कि आज के बाद उग्रवाद ख़ात्मे पर बयान देना बन्द करें। भाजपा नेताओं का यह बयान कि कांग्रेस ने 70 वर्षों में आदिवासियों ने लिए कुछ नहीं किया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का सपना कि गाँवों में अधिकार प्राप्त हो पंचायती राज्य व्यवस्था के माध्यम से उसे राजीव गांधी ने सश्र में आते ही संवैधानिक रूप देकर कानून बना दिया। यही वजह है कि आज हमारा गांव मजबूत हुआ, सश्र का विकेन्द्रीकरण हुआ और लोकतंत्र में महिलाओं की सर्वाधिक भागीदारी सुनिश्चित हुई। यहाँ तक कि आदिवासियों के जल-जंगल जमीन की सुरक्षा के लिए पेशा कानून भूमि अधिग्रहण अध्यादेश कानून वनों का अधिकार कानून, पांचवीं सूची में शामिल किया। भाजपा नेताओं आदिवासियों को उनके अधिकारों से वंचित करने का पुरजोर प्रयास किया और कानून का माखौल उड़या।

जहाँ तक भ्रष्टाचार की बात है बिहार-झारखण्ड के इतिहास में रघुवर दास जी के मंत्रिमंडल का कैबिनेट मंत्री भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ कैबिनेट से इस्तीफा देकर चुनाव ल? रहे हो। जे.पी.नड्डा जी जब यह कहते हैं कि हमारी सरकार बेदाग रही तो घोर आश्चर्य होता है। पांच वर्षों के शासन काल में भ्रष्टाचार चरम पर रही । यह और बात है कि ये भ्रष्टाचार सुखियां नहीं बटोर सकी, और न ही सरकार द्वारा कोई कारवाई की गई, सरकार ने भ्रष्टाचार के मामलों को हमेशा दबा कर रखा और कोई भी जिम्मेवार इस पर कोई जबाब दिया लेकिन राज्य की जनता सब कुछ समझ चुकी है। विधानसभा चुनाव में इसका खामियाजा भाजपा को भुगतान होगा।

पहले चरण के 189 उम्मीदवारों से 44 पर अपराधिक मामले 15 महिला उम्मीदवार चुनाव मैदान में

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 13 विधानसभा सीटों चतरा, गढ़वा, भवनाथपुर, गुमला, विश्रामपुर, मनिका, लातेहार, लोहरदगा, पांकी, डालतनगंज, विश्रामपुर, छत्तरपुर और हुसैनबाद के लिए 189उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल किया है, इनमें से 44 उम्मीदवारों के खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज हैं। जबकि 26 उम्मीदवारों के खिलाफ तो गंभीर अपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से कांग्रेस के छह में से पांच, भाजपा के 12 में से चार उम्मीदवारों, झाविमो के 13 में से छह, जदयू के 12 में से 5, भाजपा के 12 में से चार उम्मीदवारों के खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज है। वहीं इस चरण में 15 महिला उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में है। इस चरण के लिए 30 नवंबर को वोट डाले जाएंगे और मतगणना 23 दिसंबर

को होगी। चुनाव में 13 उम्मीदवारों की संपत्ति पांच करोड़ से अधिक है, वहीं 22 उम्मीदवारों की संपत्ति 2 से पांच करोड़, 54 उम्मीदवारों की संपत्ति 50 लाख से 2 करोड़, 55 उम्मीदवारों की संपत्ति 10 से 50 लाख और 45 उम्मीदवारों की संपत्ति 10लाख से कम है। इस तरह से 189 में से 59 करोड़पति उम्मीदवार हैं, आजसू के तीन में से तीनों प्रत्याशी करोड़पति, कांग्रेस के छह में से पांच, भाजपा के 12 में से 9 और झाविमो के 13 में से सात उम्मीदवार करोड़पति है। पहले चरण में 49 फीसदी यानी 92 उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता 5वीं और 12वीं के बीच है, जबकि 83 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता स्नातक और इससे ज्यादा घोषित की है। 11 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक

योग्यता साक्षर घोषित की है, वहीं दो उम्मीदवारों ने खुद को असाक्षर और एक उम्मीदवार ने डिप्लोमा धारक घोषित की है। पहलेचरण में 87 उम्मीदवारों की आयु 25 से 40 वर्ष के बीच है, जबकि 85 उम्मीदवारों की आयु 41 से 60 वर्ष के बीच है। 13 उम्मीदवारों की उम्र 61 से 80 के बीच है, वहीं चार उम्मीदवारों ने अपनी आयु घोषित नहीं की है। इस चरण में 15 महिला चुनाव मैदान में है, जबकि 174 पुरुष उम्मीदवार चुनाव मैदान में है। महिला उम्मीदवारों में छतरपुर से भाजपा प्रत्याशी पुष्पा देवी और जदयू की सुधा चौधरी, निर्दलीय सुमित्रा पासवान, लोहरदगा से आजसू पार्टी प्रत्याशी नीरू शांति भगत, विश्रामपुर से झाविमो की अंजू देवी, भवनाथपुर से जदयू की शकुंतला देवी, लोजपा की

रेखा चौबे, निर्दलीय प्रियंका देवी, पांकी से निर्दलीय लुवती देवी, विश्रामपुर से कृपालता देवी, बसपा की सोगरा बीबी, बिशुनपुर से निर्दलीय फूलमणि बारा, गुमला से सरोज हेन्ड्रम्प शामिल है। दस सबसे अधिक संपत्ति वाले उम्मीदवारों में कांग्रेस के केएन त्रिपाठी, रामेश्वर उरांव, भाजपा के शशिभूषण मेहता, निर्दलीय नरेश प्रसाद सिंह,कांग्रेस देवेन्द्र कुमार सिंह, राजद के संजय कुमार सिंह यादव, झामुमो के मिथिलेश कुमार ठकुर, निर्दलीय अनंत प्रताप देव, जदयू के ब्रह्मदेव प्रसाद और झाविमो के राहुल अग्रवाल शामिल है। सबसे कम संपत्ति भवनाथपुर से भाकपा-माले उम्मीदवार के रूप में पर्चा दाखिल करने वाले इकबाल सिंह की है, उन्होंने सिर्फ साढ़े दस हजार की चल संपत्ति की घोषित की है।

'तीसरे चरण में 6101 मतदान केंद्रों पर 47.81लाख मतदाता करेंगे वोट

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान के लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गई. इस चरण में झारखंड की 15 सीटों के लिए मतदान होगा. इन सीटों में मधुपुर, देवघर (एससी), बगोदर, जमुआ (एससी), गांडेय, गिरिडीह, डुमरी, बोकारो, चंदनक्यारी (एससी), सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी और 4 बाघमारा शामिल है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चौबे ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इन सभी सीटों के लिए अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है. इसके अंतर्गत 29 नवंबर तक नामांकन पर्त दाखिल किए जा सकते हैं, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 30 नवंबर को होगी और 2 दिसंबर तक नाम वापस लिए जा सकते हैं. इन सीटों के लिए मतदान 16 दिसंबर को होगा. संवाददाता सम्मेलन में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कृपानंद झा और शैलेश कुमार चौरसिया समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

'4 जिलों में अवस्थित हैं 15 विधानसभा सीटें ' मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि चौथे चरण में 15 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होना है. इनमें देवघर जिले में मधुपुर और देवघर सीट, गिरिडीह जिले में बगोदर, जमुआ (एससी), गांडेय, गिरिडीह और डुमरी सीट, बोकारो जिले में बोकारो और चंदनक्यारी.(एससी) सीट और धनबाद जिले में सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी और बाघमारा शामिल है. इन सीटों के लिए मतदान 16 दिसंबर को होगा. संवाददाता सम्मेलन में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कृपानंद झा और शैलेश कुमार चौरसिया समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

3,19,811 3386 1790 2 5178 जमुआ 1,54,904 1,37,574 1 2,92,479 2396 1328 00 3724 गांडेय 1,40,599 1,28,246 6 2,68,851 2238 1528 00 3766 गिरिडीह1,38,598 1,25,968 9 2,64,575 2884 2124 00 5008 डुमरी 1,42,178 1,30,295 3 2,72,476 3396 2037 00 5433 बोकारो 2,81,648 2,43,423 30 5,25,101 4107 2780 00 6887 चंदनक्यारी1,27,121 1,13,442 1 2,40,564 2438 1369 00 3807 सिंदरी 1,67,857 1,48,415 8 3,16,280 2773 1577 02 4352 निरसा 1,62,017 1,46,794 3 3,08,814 1989 1444 00 3433 धनबाद 2,32,729 1,98,754 8 4,31,491 3244 2100 02 5346 झरिया 1,67,280 1,34,290 5 3,01,575 1663 1020 01 2684 टुंडी 1,46,254 1,33,459 3 2,79,716 2092

1492 00 3584 बाघमारा1,53,775 1,31,531 2 2,85,308 2240 1464 00 3704 कुल 25,39,191 22,42,147 84 47,81,422 41,367 26,048 07 67,422 'विधानसभा सीट और मतदान केंद्रों की संख्या '

<i>विस सीट शहरी ग्रामीण कुल मतदान केंद्र</i>		
13-मधुपुर 44 365 409		
15-देवघर (एससी) 176 284		
33-निरसा 39 385 424		
30-जमुआ (एससी) 00 400 400		
31-गांडेय 00 375 375		
32-गिरिडीह 125 242 367		
33-डुमरी 00 373 373		
36-बोकारो 477 111 588		
37-चंदनक्यारी 00 297 297		
38-सिंदरी 54 372 426		
39-निरसा 39 385 424		
40-धनबाद 407 51 458		
41-झरिया 346 00 346		
42-टुंडी 16 353 369		
43-बाघमारा 121 234 355		
कुल 1805 4286 6101		

चुनाव आयोग ने नक्सलवाद पर रघुवर सरकार के दावे की निकाली हवा : जेवीएम

रांची। झारखंड विकास मोर्चा की केन्द्रीय प्रवक्ता सुनीता सिंह ने कहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने रघुवर सरकार के नक्सलवाद ख़ात्मे पर किए जा रहे झूठे दावे की हवा निकाल कर रख दी है। जिस प्रदेश में नक्सलवाद के कारण विधानसभा चुनाव पांच



चरणों में सम्पन्न कराये जा रहे हैं, अचरज की बात तो यह है कि देश

के गुहमंत्री उसी राज्य के संदर्भ में नक्सलवाद पर गलतबयानी कर राज्य की जनता को गुमराह कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने स्पष्ट कहा है कि झारखण्ड के 81 विधानसभा में से 67 विधानसभा नक्सल प्रभावित हैं। राज्य के 24 में से 19 जिले नक्सल प्रभावित तो 13

जिले अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शुमार है। रघुवर सरकार का दावा पूरी तरह गलत है। भाजपा झूठ की खेती करने में माहिर है। रघुवर सरकार ने किसी भी क्षेत्र में कोई कार्य नहीं किया है। रघुवर सरकार होड़िआ और विज्ञापन वाली सरकार है।

बहनोई ने दोस्त के साथ रची साजिश, साला से मांगी लाखों की रंगदारी, दो गिरफ्तार

जमीन बेचने पर साला को मिला था 40 लाख, दिनेश गोप के नाम पर दी गई थी धमकी

अपराध संवाददाता रांची। नक्सली संगठन पीएलएफआई के सुप्रिमी दिनेश गोप के नाम पर रंगदारी मांगने वाले दो लोगों को पुलिस ने घर दबोचने में कामयाबी हासिल की है। रंगदारी का मांग करनेवाला आरोपी कोई अपराधी नहीं बल्कि वादी का बहनोई निकला। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस संबंध में मुख्यालय वन डीएसपी नीरज कुमार ने बताया कि इस मामले में वादी चंद्रभूषण दास ने कांके थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। कांड के अनुसंधान के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि हाल में ही वादी ने अपनी जमीन बेची थी। जिसमें उसे 40 लाख रुपया मिला था। इसे लेकर



वादी के बहनोई सुदामा दास ने अपने मित्र पंकज सिंह के साथ मिलकर साले से रंगदारी मांगने की योजना तैयार की और उसे अपनी गिरफ्तार में लेने के लिये पीएलएफआई सुप्रिमी दिनेश गोप

के नाम पर रंगदारी की मांग किया। उन्होंने यह भी बताया कि थाना में प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी आरोपी बहनोई सुदामा दास को लग गई थी। जिसके बाद वह रांची आकर अपने साले यानि चंद्रभूषण दास के साथ रहने लगा। इस दौरान वह पुलिस की हर गतिविधि की जानकारी अपने साथी पंकज सिंह को देने लगा। पुलिस ने चूँकि सिम लॉक कर दिया था, इसलिये आरोपी को उन्होंने थाना में ही पकड़ लिया। जिसके बाद आरोपी बहनोई की निशानदेही पर पुलिस ने पंकज सिंह को गिरफ्तार किया। गुमला से जिस सिम से रंगदारी की मांग की गई थी, उसे पुलिस ने आरोपी के पास से जब्त कर लिया है।

तुपुदाना में वाहन चैकिंग के दौरान स्कॉर्पियो से 4 लाख 45 हजार रुपये बरामद छानबीन में जुटी पुलिस

अपराध संवाददाता रांची। राजधानी में विधान सभा चुनाव के मद्देनजर वाहन चैकिंग अभियान के दौरान पुलिस टीम द्वारा लाखों रुपये जब्त की जा रही है। इसी वाहन चैकिंग के दौरान तुपुदाना चौक के समीप शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे एसएसटी व रांची पुलिस की टीम ने एक स्कॉर्पियो गाड़ी से 4 लाख 45 हजार 8 सौ रुपये बरामद की है। गाड़ी व रुपये तुपुदाना चौक निवासी शैलेंद्र कुमार के पास से बरामद किया गया है। पुलिस ने स्कॉर्पियो (जेएच01बीए-8867) और रुपये जब्त कर छानबीन में जुटी है। टीम में देवानंद(दंडाधिकारी) सहित पुलिस पदाधिकारी गिरिश चंद्र यादव, शंभू नाथ उरांव और पिकेश कुमार शामिल थे।



पोखर टोली स्थित अर्द्ध निर्मित मकान में युवक का शव बरामद

तीन दिनों से लापता था रजा उर्फ पुचू, धारदार हथियार से गला रेतकर अपराधियों ने की हत्या

अपराध संवाददाता रांची। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र पोखर टोली में शुक्रवार को एक निर्माणाधीन घर में एक युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान बेलदार मोहल्ल खेरंडा के रहनेवाले रजा उर्फ पुचू के रूप में हुई है। रजा उर्फ पुचू की हत्या चाकू से गला रेत कर की गयी है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर कर युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले कि जांच में जुट गयी है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बेलदार मोहल्ल खेरंडा के रहनेवाले रजा उर्फ पुचू की हत्या नशा करने के दौरान हुए आपसी विवाद के चलते करने की आशंका



जतायी जा रही है. हालांकि युवक की हत्या किस वजह से कि गयी है अभी तक इसकी कोई सही वजह पता नहीं चल पायी है।

तीन दिनों से लापता था
मिली जानकारी के अनुसार राजा

दोहरे हत्याकांड के आरोपी के घर की कुर्की जब्ती

अरगोड़ा , पिपरटोली स्थित किराये के घर में पुलिस ने बरामद किया था मां-बेटी का शव

अपराध संवाददाता रांची। अरगोड़ा थाना अंतर्गत पिपरटोली में हुई दोहरे हत्याकांड का फरार अभियुक्त शमीम अंसारी के रातू थाना अंतर्गत हुरहुरी स्थित घर की कुर्की जब्ती शुक्रवार को पुलिस द्वारा की गई। न्यायालय के आदेश पर पुलिस द्वारा कुर्की की गई घर में रखे सभी सामान को रातू थाना के मालखाना में सुरक्षित रखा गया है। गौरतलब है कि आरोपी शमीम अंसारी पर डंडई, हेहल की रेखा तिग्गा और उसकी पुत्री प्रियांसी कुमारी की हत्या कर दोनों शव को पिपरटोली स्थित वाटर हार्वेस्टिंग बनी टंकी में डालने का आरोप है। पुलिस ने दोनों शव को 2 सितंबर को बरामद किया था। इस कुर्की जब्ती में अरगोड़ा व रातू थाना की पुलिस

शामिल थी। ज्ञात हो कि अरगोड़ा स्थित पिपरटोली में आरोपी अभियुक्त शमीम अंसारी मृतका रेखा तिग्गा और उसकी बेटी के साथ लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रहा था। दोनों रांची में मजदूरी का कार्य कर जीवन यापन कर रहे थे। करमा पूजा के दौरान मकान मालिक को घर खाली करने की बात कर आरोपी शमीम अंसारी मां-बेटी दोनों की हत्या कर शव को वाटर हार्वेस्टिंग टंकी में डालकर फरार हो गया था। घर की साफ-सफाई के दौरान मकान मालिक को जब काफी दुर्गंध आने लगी तब इस दोहरे हत्याकांड का खुलासा हुआ और पुलिस को जानकारी मिली।

पहले व दूसरे चरण के चुनाव को लेकर फोटो वोटर्स स्लिप की डिलीवरी शुरू

रांची। रांची के अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कृपानंद झा ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि विधानसभा चुनाव-2019 को लेकर सभी मतदाताओं के घर पर फोटो वोटर्स स्लिप की डिलीवरी की जानी है. इस सिलसिले में पहले और दूसरे चरण में जिन विधानसभा सीटों के लिए मतदान होना है, वहां मतदाताओं के घर पर फोटो वोटर्स स्लिप का वितरण शुरू कर दिया गया है. अगर किसी मतदाता को किन्हीं वजहों से घर पर फोटो वोटर्स स्लिप नहीं मिलता है तो वे अपनी शिकायत वोटर्स

हेल्पलाइन नंबर-1950 पर दर्ज करा सकते हैं. ज्ञात हो कि पहले चरण में 13 सीटों के लिए 30 नवंबर और दूसरे चरण में 20 सीटों के लिए 7 दिसंबर को मतदान होना है. पहले चरण में 189 और दूसरे चरण में 260 अर्धस्थानीय चुनाव मैदान में

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार चौरसिया, ने बताया कि पहले और दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है. पहले चरण में 189 अर्धस्थानीय और दूसरे चरण में

260 अर्धस्थानीय चुनाव मैदान में रह गए हैं. उन्होंने यह भी बताया कि दूसरे चरण में 20 सीटों के लिए कुल 320 अर्धस्थानीयों ने नामांकन पत्र दाखिल किया था. इनमें से 44 अर्धस्थानीयों के नामांकन पत्र स्वरूटनी में कैसिल कर दिए गए, जबकि 16 अर्धस्थानीयों ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया. वहीं, तीसरे चरण में 17 सीटों के लिए 25 नवंबर तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे, जबकि 26 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच और 28 तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे. इस चरण के लिए

अलग राज्य के निर्माण में सबसे बड़ी बाधक थी कांग्रेस : प्रतुल

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कांग्रेस के इस बयान को हास्यास्पद बताया है जिसमें कांग्रेस ने राज्य निर्माण में कांग्रेस के योगदान की बात कही थी। प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा की कांग्रेसी नेता शायद वह इतिहास भूल गए जब अलग राज्य की मांग करने वाले जयपाल सिंह मुंडा को दिल्ली बुलाकर खला गया था. अपनी सरकार को बचाने के लिए नरसिम्हा राव के समय मे कांग्रेस ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसदों को खरीद कर आंदोलन को दिश्र्मित किया।



मृत प्राय किया था। झारखंड अलग राज्य भाजपा की देन है. कांग्रेस ने तो समय-समय पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ मिलकर आंदोलन को दिश्र्मित किया।

राज्य में नक्सलवाद के मुद्दे पर शाहदेव ने कहा की बीते 5 वर्षों में जितने भी बड़े नक्सली थे। उनमें से ज्यादातर या तो मारे गए या सेंडर कर गए। जो इलाके नक्सल प्रभावित थे उनमें अमनचैन और शांति लौटी है। अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछ है और विकास की गति तेज हुई है। प्रतुल ने कहा नक्सलियों के कमर टूटने का सबसे बड़ा सबूत यह है कि अब

जन अदालतें नहीं लगती और नक्सलियों के द्वारा बंद नहीं बुलाया जाता है। उन्होंने कहा की 2014 से पहले राज्य में उग्रवाद की क्या स्थिति थी, यह सभी को पता है। 2014 के बाद उग्रवादी घटना में भारी कमी आयी ह। इसका सारा श्रेय वर्तमान सरकार को जाता है। शाहदेव ने कहा की भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता से विरोधी दल बोखला गयी है और अनाप-शानाप बयानबाजी कर रही है. भाजपा रघुवर दास के नेतृत्व में 65 के लक्ष्य को पार करेगी।

पुलिस मुख्यालय में इंटर स्टेट को-आर्डिनेशन मीटिंग संपन्न

डीजीपी ने खुफिया तंत्र को सशक्त बनाने पर दिया बल

अपराध संवाददाता रांची। शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड, रांची की अध्यक्षता में इंटर स्टेट को-आर्डिनेशन मीटिंग ऑफ वेरियस इसू इन कनेक्शन विथ स्टेट एसंबली इलेक्शन 2019 से संबंधित बैठक पुलिस मुख्यालय, रांची स्थित सभागार में आयोजित की गयी। पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड ने इस इंटर स्टेट को-आर्डिनेशन मीटिंग ऑफ वेरियस इसू इन कनेक्शन विथ स्टेट एसंबली इलेक्शन 2019 की संयुक्त बैठक को सम्बोधित करते हुए खुफियातंत्र को सशक्त बनाने एवं उसे प्राप्त सूचनाओं को स-समय साझा करने तथा संयुक्त रूप से अभियान चलाने पर पर बल दिया। उन्होंने झारखण्ड राज्य के संबंधित सीमावर्ती क्षेत्रों के वरीय पुलिस अधीक्षकों,पुलिस अधीक्षकों को,

चेक-पोस्ट चिन्हित कर वहां समय-समय पर चैकिंग अभियान चलाने तथा हाल में झारखण्ड में हुई नक्सली घटनाओं को देखते हुये नक्सली घटनाओं का ओचक जाँच करने-काराने का सुझाव दिया। राज्यों के सीमावर्ती नक्सल क्षेत्रों में चरण-बद्ध एवं समय-बद्ध तरीके से नक्सलियों के खान्दो की रूप-रेखा की जानकारी प्रदान करते हुए बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, ओडिशा एवं उत्तर प्रदेश की पुलिस के साथ सहयोग एवं नक्सलियों पर शिकंजा कसने हेतु संयुक्त अभियान के लिए विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया। नक्सलियों के वर्तमान दौंव-पेंच के विरूद्ध सतर्कता बरतते हुए स्थानीय स्तर पर सूचनातंत्र को सशक्त करते हुए उनके विरूद्ध कारगर प्रहार किए जाने, नक्सल अभियानों के लिए सी0आर0पी0एफ0 की भूमिका को



दर्शाते हुए, स्थानीय पुलिस की क्षमता को बढ़ाने, सीमावर्ती राज्यों के पुलिस पदाधिकारी विशेष कर वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक, अभियान, पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस निरीक्षक एवं थाना प्रभारियों के स्तर पर निरन्तर आपसी समन्वय बैठक किए जाने तथा अन्तराज्यीय सीमाओं पर नक्सली गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखने एवं सटीक सूचना उपलब्ध कराने हेतु पुलिस बल के आपसी समन्वय पर बल दिया। पुलिस महानिरीक्षक, अभियान, झारखण्ड ने आगन्तुकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मनित किया तथा झारखण्ड में हो रहे आगामी विधान सभा चुनाव वर्ष, 2019 के मद्देनजर चलाये जा रहे अभियानों

की चर्चा की एवं अभियान से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं पर जानकारीयों भी उपलब्ध करायीं। श्री सुशील खोपड़े, पुलिस महानिरीक्षक, अभियान, (बिहार) राजीव मिश्रा, पुलिस महानिरीक्षक, पश्चिमी प्रखेत्र, (पश्चिम बंगाल), के0सी0 अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा, (छत्तीसगढ़), पिपुष श्रीवास्तव, पुलिस उप-महानिरीक्षक, मिर्जापुर, (उत्तरप्रदेश), कविता जलान, पुलिस उप-महानिरीक्षक, पश्चिमी क्षेत्र, (राजकेला), ने भी विधान सभा चुनाव के दौरान झारखण्ड राज्य को नक्सली अभियानों में पूरा सहयोग प्रदान करने पर सहमति जताई। इस बैठक में पुलिस मुख्यालय,

झारखण्ड से अजय कुमार सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, विशेष शाखा, झारखण्ड, सुरगरी लाल मोणा, अपर पुलिस महानिदेशक, अभियान, झारखण्ड, संजय आनंद लाटकर, पुलिस महानिरीक्षक, सीआरपीएफ, झारखण्ड, नवीन कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, मानवाधिकार, झारखण्ड, रंजीत प्रसाद, पुलिस महानिरीक्षक, दुमका प्रखेत्र, साकेत कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, अभियान, झारखण्ड, मो0 अर्शी, पुलिस अधीक्षक, अभियान, झारखण्ड के अतिरिक्त राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों से सुशील खोपड़े, पुलिस महानिरीक्षक, अभियान, बिहार, राजीव मिश्रा, पुलिस महानिरीक्षक, पश्चिमी क्षेत्र, कोलकाता, के0सी0 अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा, छत्तीसगढ़, कविता जलान, पुलिस उप-महानिरीक्षक, पश्चिमी क्षेत्र, राजकेला, ओडिशा ने भाग लिया।

आमजनों के स्वास्थ्य की चिंता भाजपा सरकार की प्राथमिकता : प्रदीप वर्मा

रांची। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप वर्मा ने कहा कि बीते पांच वर्षों में भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई कार्य किये हैं। कई योजनाओं को धरातल पर उतारा जिनका सीधा लाभ राज्य के गरीब जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करना सरकार की प्राथमिकता भी है और प्रतिबद्धता भी। श्री वर्मा ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 68 लाख परिवार जुड़े हैं, जबकि 40 लाख से अधिक गोल्डन कार्ड बनाये जा चुके हैं. उन्होंने कहा कि अबतक 3 लाख से अधिक लाभुक इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। वर्मा ने बताया कि आजादी के 67 साल बाद तक राज्य में सिर्फ तीन मेडिकल कॉलेज थे, जबकि रघुवर सरकार ने पांच नए मेडिकल कॉलेजों के निर्माण का फैसला लिया, जिनमें से दुमका, हजारीबाग और पलामू मेडिकल कॉलेज महज 2 साल में बनकर तैयार हो गए, जहां नामांकन भी प्रारंभ हो गए हैं जबकि चाईबासा और कोडरमा में मेडिकल कॉलेज का निर्माण जारी है। देवघर एम्स में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हो चुकी है और रांची में कैसर अस्पताल के निर्माण जारी है। उन्होंने कहा कि बीते 14 सालों में कांग्रेस- झामुमो की सरकार ने अपने शासनकाल में गरीबों के स्वास्थ्य की दिशा में कुछ नहीं किया। गरीबों को इलाज के लिए झारखंड से बाहर जाना प?ता था, सबसे दु:ख की बात ये थी कि इलाज में उनके जमीन-जायदाद तक बिक जाते थे और झारखंडवासियों की यह दर्शा किसी की नजर नहीं जाती थी।अब भाजपा के शासन में गरीब से गरीब व्यक्ति के मन में भी यह भरोसा और उम्मीद जगी है कि बीमार होने पर उसे इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और सरकार 5 लाख तक का इलाज मुफ्त में कराएगी। झारखंड सरकार ने आमजनों के त्वरित इलाज हेतु 108 एम्बुलेंस सेवा भी शुरू की है जो अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है। इस इमरजेंसी एम्बुलेंस सेवा से अबतक 2.5 लाख लोगों को त्वरित इलाज मिल चुका है।

मिलकर अपने पक्ष में वोट मांगा। वहीं भाजपा नेत्री सह पांकी पूर्वी जिल्हा सदस्या लवली गुप्ता ने भाजपा प्रत्याशी डॉ शशि भूषण मेहता के पक्ष में उन्होंने कहा कि जनसंपर्क अभियान चलाकर भाजपा के पक्ष में वोट मांगी। मौके पर लवली गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र में पूरी तरह भाजपा प्रत्याशी डॉ शशि भूषण मेहता का बोलबाला है। जनता का अपार समर्थन भाजपा प्रत्याशी डॉ शशि

भूषण मेहता को मिल रहा है। पुरी तरह इस बार जीत का सेहरा डाले शशिभूषण मेहता के सर सजेगा। भाजपा प्रत्याशी डॉ शशि भूषण मेहता ने पांकी में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पांकी की जनता पिछले 15 वर्षों से उपेक्षित महसूस करते आ रहे हैं। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। कहेंगे कि पांकी विधानसभा से वंशवादी व परिवारवादी को खतम करने के लिए पांकी की जनता तैयार है।

05

रांची, शनिवार, 23 नवंबर 2019

झारखंड

न्यूज गैलरी

जयप्रकाश भाई पटेल ने नामांकन दाखिल किया



हजारीबाग। झारखंड विधानसभा 2019 के मांडू विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल अपने समर्थकों के हुजूम के साथ अनुमंडल कार्यालय सदर हजारीबाग पहुंचे। जहां एक ओर गाजे-बाजे का शोर था वहीं उनके समर्थक नारे बुलंद करते नजर आए। जयप्रकाश भाई पटेल इसके पूर्व झारखंड मुक्ति मोर्चा के टिकट पर मांडू विधानसभा से विधायक हैं। आने वाले समय में मांडू की जनता क्या तय करती है यह देखना गौरतलब होगा। आपको बता दें कि जयप्रकाश भाई पटेल के संगे भाई राम प्रकाश भाई पटेल भी झारखंड मुक्ति मोर्चा के टिकट पर मैदान में ताल ठोकते आपको नजर आएंगे। वहीं इनके अपने चचेरे भाई चंद्रनाथ भाई पटेल झारखंड विकास मोर्चा से इनके प्रतिद्वंदी के रूप में खड़े हैं अब एक ही परिवार से तीन तीन लोग चुनाव मैदान में हैं तो इनके भाग्य का फैसला जनता के हाथों में है।

नामांकन के बाद डॉ. आरसी प्रसाद ने दर्जनों गाँव का किया सघन दौरा

डोर टु डोर अभियान के तहत लोगों से मिले महागतबंधन प्रत्याशी



हजारीबाग। हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र से महागतबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी डॉ आरसी प्रसाद अपना नामांकन पर्चा दाखिल करने के बाद फिर से क्षेत्र में लोगों से आशीर्वाद लेने पहुंचे । डोर टु डोर अभियान चलाकर आरसी प्रसाद ने विधानसभा क्षेत्र के अमनारी पंचायत, सिलवार पंचायत, मेरु पंचायत और चुटियारो पंचायत के दर्जनों गाँव जाकर लोगों से मुलाकात की। चुनाव प्रचार के दौरान डॉ आरसी प्रसाद ने सिलवार स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान की पुजा कर क्षेत्र के लोगों के लिए सुख शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना भी की। क्षेत्र में डॉ आरसी प्रसाद मेहता जहां भी गए लोगों ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया और अपनी खुशी का इज्हार किया । लोगों ने मेहता को अपने समस्याओं से अवगत करवाया । प्रत्याशी के प्रति लोगों ने हर जगह से बदलाव की भावना को लेकर अपना अपार समर्थन दिखाया। जनसम्पर्क में डॉ आरसी मेहता ने कहा कि आपसे मिलने-जुलने का सफर जारी है। आपके प्यार से अभिभूत हूँ। हजारीबाग की माटी के प्यार ने मुझे ऊर्जा दी है। यह ऊर्जा आपकी सेवा और विकास में खर्च करूँगा। मेरे प्यारे साथियों, आप सबों के प्यार, समर्थन, विश्वास ने मुझे भावुक कर दिया है। सेवा, संकल्प के इस सफर में आप सबों के बीच पहुंचकर काफी कुछ समझ पा रहा हूँ हजारीबाग को अब एक नई दिशा देने का वकूत आ गया है। यह दौर परिवर्तन का है । इतिहास लिखने का वकूत करीब है। हर घर तक, विकास और बदलाव की आभा को पहूँचना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है आप सबों के प्यार का आकांक्षी हूँ। क्षेत्र में मनोहर प्रसाद मेहता, जमालुद्दीन, केशव प्रजपति, अनिरुद्ध सिंह सीता चरण राम, किशोर राम, उषेंद्र राणा सोनू अंसारी, मुस्ताक आलम, आशिक अंसारी, जुबर अंसारी, शंकर रविदास, सतीश रवि, रंजीत रवि, नईमुद्दीन आदि सैकड़ों लोग प्रत्याशी के साथ दौरा कर लोगों से जनसम्पर्क किया।

राजधनवार प्रतिनिधि गिरिडीह



चुनाव की प्रक्रिया शुरू होते ही कई दिगगों ने अपना-अपना नामांकन दाखिला करा रहा है। शुक्रवार को युवा व्यवसाई अनूप संधालिया ने भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पर्चा दाखिला करवाया। इस दौरान राजधनवार प्रखंड से भारी संख्या में खास और इनके साथ निकले, और यह रैली करते हुए अनुमंडल कार्यालय तक पहुंचे। जहां से तीन सेट में अपना नामांकन दर्ज करवाया। इस दौरान अनूप संधालिया ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा इनका मुख्य उद्देश्य रहेगा। स्वास्थ्य,शिक्षा जैसी सुविधाओं की घोर कमी इस क्षेत्र में रहने के कारण उनका फोकस इसी डायरेक्शन में रहेगा इसके अलावा बिजली पानी की समस्या भी इनकी प्राथमिकता के केंद्र में है।

जेवीएम सुप्रीमो ने भरा नामांकन पर्चा



राजधनवार प्रतिनिधि/गिरिडीह। राजधनवार विधानसभा चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया शुरू होते ही कई दिगगों ने अपनी नामजदगी का पर्चा दाखिल किया। इस दौरान जेवीएम सुप्रीमों बाबूलाल मरांडी ने 4 सेट में अपना पर्चा भरा। मौके पर पार्टी नेता कैलाश मंडल, अधिवक्ता चुनू कांत, राजेंद्र मोदी, आर्य रंजन सिंह, ननुलाल मरांडी, आदि लोग मौजूद रहे। इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचे उसकी लड़ाई वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिजली, पानी आवास,जैसी मूलभूत सुविधाएं हर एक झारखंडी को मिले यही उनका प्रयास है। और सत्ता में आने के बाद इन सब मुद्दों पर वे गंभीरता से काम करेंगे !

झारखंड सरकार प्रदूषण विभाग के वैज्ञानिक ने सीसीएल बीएंडके एरिया के कारो परियोजना का निरीक्षण किया नवंबर माह तक एनजीटी नहीं मिला तो कोयला उत्पादन पर संकट

बेरमो। सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के कारो परियोजना में शुक्रवार को झारखंड राज्य प्रदूषण विभाग रांची के वैज्ञानिक राजीव रंजन एवं सीसीएल मुख्यालय रांची के पर्यावरण जीएम सुमित्रा सिंह ने संयुक्त रूप से कारो परियोजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोलियरी में चल रहें आउटसोर्सिंग पैच, नाला, पेड, वाषिंग प्लेटफार्म, हॉलरोड आदि अन्य क्षेत्र में जाकर पर्यावरण स्थिति से अवगत हुए। वैज्ञानिक रंजन ने कहा कि जांचों उरांत रिपोर्ट उच्चअधिकारी को सौपा जाएगा। कहा कि माईंस जैसे-जैसे विस्तार होता है वैसे-वैसे वन एवं पर्यावरण विभाग का आदेश अनिवार्य है। बताते चले की कारो परियोजना पिछले दो-तीन वर्षों से अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहें हैं। इस कोलियरी से वार्षीक 11 मिलियन टन प्रोजेक्ट का एनजीटी क्लीयरेंस वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के पास लंबित है।

धनबाद के.लटानी चौक के पास वाहन चैकिंग के दौरान 49 लाख रुपए नगद जब्त

धनबाद। विधानसभा चुनाव को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त बनाने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अमित कुमार के निर्देश पर गठित एफ एस टी टीम-1 ने लटानी चौक के पास वाहन चैकिंग के दौरान 49 लाख रुपए नगद जब्त किए।टीम द्वारा पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र के गोविन्दपुर- साहेबगंज सड़क पर लटानी चौक के पास वाहन जांच अभियान चला रहे थे।जाँच के दौरान प्रोफेसर परमिला शाह, दुमका कॉलेज और अमित कुमार शाह हुंडई सीआरवी संख्या जेएच 10 बीएफ 0071 से उपरोक्त रुपए नगद राशि जब्त की गई।इस मामले में डीसीएलआर सतीश चंद्रा ने बताया कि जब्त राशि के संबंध में कोई भी प्रमाण टीम के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया है। टीम ने आवश्यक कार्रवाई करने के पश्चात जब्त की गई राशि को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को सौंप दिया गया ओर आगे की कार्यवाई की जा रही है।उपायुक्त अमित कुमार ने प्रेस कॉन्फेंस कर कहा पकड़े गए इस रकम की जांच आईटी की टीम कर रही है अभी तक कि जांच अभियान में कुल 68 लाख रुपये जस किये गए है।

छठे दिन बेरमो से तीन व गोमिया में चार प्रत्याशीयो ने नामांकन कराया व तीन तीन प्रपत्र खरीदे गए



कथारा। विधानसभा सभा चुनाव 2019 के तीसरे चरण में होने वाली मतदान को लेकर बोकारो जिला के तेनुघाट अनुमंडल कार्यालय में हो रही नामांकन के छठे दिन शुक्रवार को गोमिया व बेरमो विधानसभा क्षेत्र के तीन तीन प्रत्यर्शियों ने अपना पर्चा दाखिल किया वही गोमिया व बेरमो के लिए तीन तीन पर्चा खरीदे गए। कुल छह पर्चा भरे गए जिसमे बेरमो विधानसभा क्षेत्र से आजसू के प्रत्याशी काशीनाथ सिंह पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया प्रजातांत्रिक चंदन कुमार अमरा बंगाली पार्टी से टेको महती ने पर्चा भरा वही गोमिया से पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया प्रजातांत्रिक मनोज कुमार महतो, भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण कुमार नायक निर्दलीय उम्मीदवार खुदीराम महतो, निर्दलीय उम्मीदवार निखिल सोरेन पर्चा भरा।गोमिया विधानसभा क्षेत्र से तीन नामांकन प्रपत्र खरीदे गए जिसमे लोजपा से पंकज कुमार पांडेय, बसपा से अजय रंजन, निर्दलीय प्रत्याशी गुलाम समदानी वही बेरमो से लोजपा से उमेश रवानी, झापा सबिता देवी, व निर्दलीय से खिरोधर किस्कू ने नामांकन प्रपत्र खरीदे। गोमिया से कुल 22 प्रपत्र व बेरमो से कुल 17 प्रपत्र की खरीद की गई। वही बेरमो विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना पार्टी के ओर से नामांकन कराने आये बैजनाथ गोरार्डि के कागजात में जुटि होने के कारण निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय से बैरंग लौटना पड़ा। नामांकन समय समाप्ति के बाद गोमिया के निर्वाची पदाधिकारी विजय कुमार गुप्ता व बेरमो निर्वाची पदाधिकारी प्रेमरंजन ने संयुक्त रूप से बताया कि हर माह के द्वितीय व चतुर्थ शनिवार को कार्यालय बंद रहने के कारण शनिवार को नामांकन की प्रक्रिया नही होगी तथा अगला नामांकन 25 नवंबर सोमवार को होगी।

चतुर्थ चरण की अधिसूचना जारी बोकारो और चंदनकियारी में 16 दिसम्बर को मतदान

बोकारो। आसन्न विधानसभा चुनाव के अंतर्गत 36 बोकारो एवं 37-चंदनकियारी (अ.जा.) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए आधिकारिक अधिसूचना जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त श्री मुकेश कुमार ने समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिया। नाम निर्देशन से संबंधित कार्यक्रमों की सूची घोषित की गयी जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- उपयुक्त श्री मुकेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आज शुक्रवार दिनांक 22.11.2019 से नाम निर्देशन की प्रक्रिया शुरू है। कोई भी इच्छुक उम्मीदवार आज से दिनांक 29.11.2019 तक नाम निर्देशन का फॉर्म खरीद कर उसे सही फॉर्मेट में भरकर निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष जमा कर सकता। नाम निर्देशन के फार्मों की संवीक्षा की तिथि 30.11.2019 को तय है। वहीं अभ्यार्थी अपनी अभ्यर्थीता दिनांक दोबारा 2019 को वापस ले सकेंगे। 36-बोकारो विधानसभा क्षेत्र का निर्वाची पदाधिकारी अपर समाहर्ता श्री विजय कुमार हैं, वही 37- चंदनकियारी (अ. जा.) विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी एलआरडीसी श्री जेम्स सुरेन हैं। निर्वाचित पदाधिकारी का कार्यालय कक्ष पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक सभी कार्य दिवस पर खुला रहेगा। दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 753233 मतदाता निर्बाधित है 36-बोकारो विधानसभा क्षेत्र में 16 ट्रांसजेंडर व 02, 35,131 महिलाओं सहित कुल 05,15,971 निर्बाधित मतदाता हैं। वहीं 37-चंदनकियारी (अ. जा.) विधानसभा क्षेत्र में 01,10,743 महिलाओं व एक ट्रांसजेंडर सहित कुल 02,37,262 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर परस्पर अपने विधायकों को चुनेंगे। 36- बोकारो विधानसभाक्षेत्र के दिव्यांग तथा 80 वर्ष के ऊपर के वयोवृद्ध वरिष्ठ नागरिकों को इस बार घर बैठे ही पोस्टल बैलट के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की सुविधा दी जा रही है। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर प्रयुक्त किये जा रहे इस सुविधा का लाभ कुल 05, 446 दिव्यांग व वयोवृद्ध मतदाता ले सकते हैं।

कुल 73 बूथ होंगे मॉडल बूथ-36-बोकारो विधानसभा क्षेत्र में कुल 60 मॉडल बूथ बनाए जा रहे है। वहीं 37-चंदनकियारी(अ. जा.) विधानसभा क्षेत्र में कुल 13 बूथों को मॉडल बूथ का रूप दिया जा रहा है। चंदनकियारी विधानसभा में 75 बूथ सहित 36- बोकारो विधानसभा क्षेत्र में 506 बूथ को वेबकास्टिंग के लिए चन्हित किया गया है। वेबकास्टिंग वाले इन बूथों पर सीसीटीवी कैमरे के द्वारा चुनाव आयोग लाइव निगरानी रखता है और इन बूथों पर सुरक्षकर्मियों को तैनात करने की आवश्यकता नहीं होती है।



झारखंड राज्य प्रदूषण विभाग से सीटीओ मिलने के बाद से कारो से उत्पादन शुरू हो पाएगा।

समाज के लिए जीवन है समर्पित: सुरेंद्र यादव



मेदिनीनगर। पलामू जिले के पांकी विधानसभा से तिरसुल कांग्रेस के उमीदवार सुरेंद्र यादव ने तरहसी प्रखंड क्षेत्र सुगी, अरका, सेवती, पकरी तरहसी सिलदीलिया, कसमार, दुन्दु, खिचड़िया, सहित दर्जनों गांव में जनसंपर्क कर डबल फूल छाप पर वोट मांगे। जनसपर्क करते हुए सुरेंद्र यादव ने कहा कि में इस धरती का पुत्र हूं। समाज सेवा ही मेरा काम है जब कि कांग्रेस भरस्टाचार की पार्टी है और उपाध्याय जी के बताए मार्ग से भटक कर गलत अदमी को चुनाव में उतारा है। इस लिए की बातों को अपनाने की जरूरत है पण्डित दीनदयाल उपाध्याय ने कहे थे कि कोई भी पार्टी गलत प्रत्याशी दे तो सुधारना मतदाताओं की जिम्मेवारी है। इसलिए पांकी विधानसभा से एक बार जिताने के लिए वोट दे में आप सभी जनमानस की सेवक बन रक रहेगे। समर्थकों के साथ सुरेंद्र यादव ने पूर्व मंत्री मधु सिंह के प्रतिमा का मालापण किया। मौके पर रामा शंकर यादव, मुकेश नायक, निर्मल सिंह, अरविंद यादव, अवित्र सिंह, विगुल यादव, इंदेव कुसेलसे सिंह सहित दर्जनों लोग थे।

भाजपा नेता विक्रम पाण्डेय को टुंडी विधानसभा से मिला टिकट. कोयलांचल में जश्न का माहौल.



चिकित्सा, रोजगार आदि मुद्दों पर काम किया जाएगा। मौके पर जामस के डेरी एरिया सचिव विकास सिंह, संतन मिश्रा, राजकुमार ठाकुर, मुकेश कुमार, आर श्रीवास्तव, पिंटू राइका, नवीन श्रीवास्तव, उज्ज्वल मुखर्जी, दिनेश यादव, राजन साव, जितेंद्र त्रिपाठी, योगेश तिवारी, रोहित मित्तल, जितेंद्र सिंह नेता आदि लोग शामिल थे। वही गोमिया विधानसभा से लक्ष्मण नायक को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने पर शुक्रवार भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि मोर्चा ने मुख्यमंत्री से मिलकर लक्ष्मण नायक को विधानसभा में टिकट देने का मांग किया था। जिसके उपरांत उन्हें प्रत्याशी बनाया गया। कहा कि गोमिया कार्यकर्ता जन मन से पार्टी के निती को जन जन तक पहुंचाने का काम करेंगी। इस दौरान लोगों के बीच मिठाई बांटकर जश्न मनाया गया। मौके पर राजेश साव, प्रदीप साव, सुरेश मंडल, चंदन वर्मा, रुपेश रवानी, मिंटू गुप्ता, दर्शन साव, उमेश गुप्ता, दशरथ महतो, ज्योतिराल महतो, गोपाल नायक आदि लोग मौजूद थे।

मतदान के दिन दिव्यांग मतदाताओं को सहयोग करेंगे स्काउट एंड गाइड के कैडेट



संरक्षण पदाधिकारी केडी पासवान एवं बीआरसी विश्रामपुर के रिसोर्सेस शिक्षक श्याम सुंदर विश्वकर्मा ने स्काउट एंड गाइड के कैडेटों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण टाउन हॉल, डीएवी स्कूल आदि स्थानों पर दी गयी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीआरडीए निदेशक सिम्ता टोप्पो आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

14 लाख 48 हजार टन कोयला का उत्पादन हो चुका है। और 52 हजार टन कोयले का उत्पादन करना है। एनजीटी क्लीयरेंस नवंबर माह तक नहीं मिला तो दिसंबर से यहां कोयला उत्पादन पर संकट के बादल मंडराएंगे। अगर इस परियोजना से चालू वितय वर्ष के अपने निर्धारित लक्ष्य 50 लाख टन पूरा नहीं किया तो एरिया का भी उत्पादन लक्ष्य किसी कीमत पर पूरा नहीं होगा। 21 नवंबर तक एरिया

छतरपुर के लठेया ओपी के पास 13 लाख जब्त

मेदिनीनगर। पलामू जिले के छतरपुर थानांतर्गत लठेया ओपी के पास से दो बाइकों से 12लाख 85 हजार 670 रुपये बरामदगी की सूचना है। पुलिस पूरे मामले की

रघुकुल के गुर्गों ने रेलवे अधिकारी को कहा नाम ही काफी है, पुलिस की मौजूदगी में रेलवे अधिकारी को दीया धमकी

शुरू कर दी। कांग्रेसी नेता अभिषेक सिंह के समर्थकों ने उन्हें तत्काल इसकी सूचना दी। चूँकि अभिषेक सिंह की भाभी पूर्णिमा सिंह कांग्रेस की प्रत्याशी हैं, झरिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं तो अभिषेक सिंह अपने समर्थकों संग पाथरडीह पहुंच गए। वहां के लोग रेलवे अधिकारी से दो महीने का समय मांग रहे थे। बात होते रही, इसी बीच अभिषेक के एक समर्थक उग्र होकर रेलवे अधिकारी से पूछ बैठता है कि गुड्डू सिंह को पहचानते हो। अधिकारी ने ना में जवाब दे दिया, फिर क्या था वह समर्थक पूरी तरह उखड़ गया और रघुकुल, गुड्डू को नही पहचानते हो, छलनी कर देंगे। अन्य समर्थकों ने उग्र व्यक्ति को समझा बुझा कर हटया।दरअसल पाथरडीह रेलवे कॉलोनी के सैकड़ों आवास पर बाहरी लोगों का कब्जा है। रेल प्रशासन को सूचना मिली है कि दबंग-रंगदार किस्म के लोग लम्बे समय से रेलवे के आवास पर कब्जा जमा उसे किराए पर लगाए हुए हैं। धनबाद रेल प्रशासन ने इसे गम्भीरता से लेते हुए अवैध कब्जा धारियों को घर खाली करने का नोटिस थमाया था लेकिन रेलवे का आवास खाली नहीं हो रहा थावहीं इस मामले में वरीय मण्डल सुरक्षा आयुक्त हेमन्त कुमार ने बताया कि स्थानीय थाना और जी आर पी को सूचित कर रेलवे अधिकारी (स्टेट ऑफिसर) RPF के साथ पाथरडीह में रेलवे आवास खाली कराने गए थे। वहां कुछ लोग

40 लाख टन कोयले का उत्पादन व 47 लाख क्यूबीक मीटर ओबी का निस्तारण किया है। मौके पर सीसीएल मुख्यालय पर्यावरण जीएम सुमित्रा सिंह, बीएंडके जीएम एमके राव, एसओपीएंडपी एसपी सारंगी, मैनेजर अरविंद शर्मा, एसओइएंडएम मनोज शर्मा, प्रभारी एसओसी सतीश कुमार सिन्हा, सहित विनय अंचल, शंभूनाथ, विकासचंद्र शुक्लाआदि उपस्थित थे।

होने के बाद प्रशासन के लिए चुनैती है। इस संबंध में पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस फिलहाल जांच कर रही हैं। जांच के बाद कुछ कहां जा सकता है।

राजनीतिक या समाजसेवी सरकारी कार्य में बाधा डाल रहे थे। उन्होंने कहा कि स्टेट ऑफिसर के द्वारा उन लोगों के विरुद्ध कार्रवाई किये जाने की तैयारी की जा रही है।छलनी करने वाली बात की लिखित शिकायत आते ही कार्रवाई होगी और इन तमाम चीजों से जिला प्रशासन को भी अवगत करया जाएगा।गुड्डू सिंह स्वर्गीय पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह के छोटे भाई हैं। धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह सहित चार लोगों की हत्या 21 मार्च 2017 की शाम धनबाद के ही सरायदेला में गोली मारकर कर दी गई थी।इस हत्या कांड में सिंह मेशन के युवराज व भाजपा से झरिया के विधायक संजीव सिंह को आरोपी बनाया गया है। इसी हत्या कांड के मामले में विधायक संजीव सिंह पिछले करीब ढाई साल से जेल में बंद है। इस बार भाजपा ने उनकी पत्नी रागिनी सिंह को झरिया सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। तो वहीं कांग्रेस ने स्वर्गीय नीरज सिंह की पत्नी व इस खबर के दबंग करेक्टर गुड्डू सिंह की भाभी पूर्णिमा सिंह को झरिया से ही चुनावी अखाड़े में जोर आजमाइश के लिए उतार दिया है।जिससे यह सीट काफी हॉट माना जा रहा है। बहरहाल अब बात रेल प्रशासन तक पहुंच चुकी है। चुनाव का समय है, प्रत्याशी हाथ जोड़ें वोटर्स का आशीर्वाद मांग रहे हैं तो समर्थक छलनी करने की धमकी अधिकारियों को दे रहे हैं। अब देखने वाली बात यह होगी की यह दबंगई इस सीट पर किसको कितना लाभ पहुंचती है।

धनबाद अधिासना निर्गत होने की तिथि के साथ शुक्रवार से नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हुई धनबाद। अधिसूचना निर्गत होने की तिथि के साथ शुक्रवार से नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हुई. नामांकन पत्र की बिक्री एवं नामांकन पत्र दाखिल करने हेतु छह विधानसभा में टुंडी, बाघमार और धनबाद के लिए एसडीओ कार्यालय भवन तथा झरिया, निरसा और सिन्दरी के लिए समाहरणालय में नामांकन पत्र भरा जा रहा है.पहले दिन छह विधानसभा से कुल 36 नामांकन फॉर्म की बिक्री हुई जबकि एक प्रत्याशी केसी सिंह राज ने धनबाद विधानसभा से पर्चा दाखिल किया.धनबाद से (9) केसी सिंह राज, राजकुमार सोनो, राज सिन्हा, अखिलेश्वर महतो उर्फ अर्जुन महतो, विकास रंजन उर्फ पप्पू सिंह, लक्ष्मी देवी, उमेश पासवान ।

मत खोलें यह पिटारा

केंद्र सरकार को असम से सबक लेते हुए देश भर में एनआरसी लागू करने के फैसले पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कहीं यह भानुमती का पिटारा खोलने जैसा न हो जाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संसद में ऐलान किया था कि नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजनशिप की व्यवस्था पूरे देश में लागू की जाएगी। यानी कुछेक दस्तावेजों के आधार पर अपनी नागरिकता प्रमाणित करने वाले लोग ही भारत के नागरिक माने जाएंगे। अभी तक यह कसरत केवल एक राज्य असम में ही की जा सकी है और इसके नतीजों को लेकर सत्तारूढ़ बीजेपी में ही एक राय नहीं है। असम की बीजेपी सरकार में मंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने एनआरसी की सूची को रद्द करने की मांग की है। सरमा ने यह भी कहा है कि अगर इसे पूरे देश में लागू करना है तो सभी राज्यों में एक ही कट ऑफ सूची होनी चाहिए। यानी असम के लिए कट ऑफ वाला साल 1971 है तो इसे ही सभी राज्यों पर लागू किया जाए। असम में चली लंबी तकलीफदेह प्रक्रिया के बाद एनआरसी की जो लिस्ट आई है, उससे शायद ही कोई संतुष्ट दिखा हो। 19 लाख लोग इससे बाहर हैं जिनमें देश के एक पूर्व राष्ट्रपति के परिजन भी शामिल हैं। अवैध प्रवासियों और घुसपैठियों की इससे कोई पहचान नहीं हो पाई, जो कि इसका मकसद था। कई जेनुइन लोगों के बाहर रह जाने की बात सारी पार्टियां कह रही हैं। इसे लेकर भारी अफरातफरी मची और कुछ लोगों ने आत्महत्या तक का रास्ता अपना लिया। सोचा जा सकता है कि यही कवायद पूरे देश में दोहराने पर क्या होगा? निवास प्रमाणपत्र जुटाना बोटर आई कार्ड या पासपोर्ट बनाने जैसा नहीं है। असम में लोगों से 24 मार्च 1971 से पहले जारी कोई ऐसा दस्तावेज मांगा गया जिससे यह प्रमाणित हो सके कि इस तारीख से पहले वे या उनके पूर्वज यहां रहते थे। फिर किसी अन्य दस्तावेज से उन्हें इन पूर्वजों से अपना संबंध साबित करना था। देश भर में ऐसे कागजात जुटाने और जांचने के लिए जो रेलमपेल मचेगी उससे रोजमर्रा का काम बुरी तरह प्रभावित होगा। असम में इस पर करीब 1300 करोड़ खर्च हुए तो सोचा जा सकता है कि पूरे देश के लिए कितनी रकम चाहिए होगी। और इतना कुछ करने के बाद भी इसका मकसद पूरा होगा, इसकी क्या गारंटी है? इस प्रक्रिया ने जब एक राज्य में 19 लाख असंतुष्ट खड़े कर दिए तो पूरे देश में क्या होगा? अगर ऐसे करोड़ों लोग निकल आए तो उनका क्या किया जाएगा? असम में तो एक ऐतिहासिक उलझन थी, जिसे सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने यह रास्ता सुझाया था, लेकिन बाकी राज्यों में विदेशी घुसपैठ कोई मुद्दा नहीं है। कोई राज्य अगर इससे इनकार कर दे तो क्या उसे इसके लिए बाध्य किया जा सकता है? पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो कह ही दिया है कि वह अपने यहां एनआरसी नहीं लागू करेंगी। कुल मिलाकर यह देश को एक व्यर्थ की परेशानी में झोंकने जैसा होगा। बेहतर होगा कि सरकार इस पर देश में आम सहमति बनाने के बाद ही आगे बढ़े।

प्रदूषण पर बेफिक्री

एक तरफ राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई शहरों में प्रदूषण से लोगों का सांस लेना मुहाल हो रहा है, दूसरी तरफ राजनेताओं के लिए यह सियासी हिसाब चुकता करने का बहाना बन गया है। प्रदूषण की आड़ लेकर वे अपने विरोधियों को चित करने में जुटे हैं। नतीजा यह कि इस बीमारी का इलाज खोजना तो दूर, इस पर ढंग की बात भी नहीं हो पा रही। लोकतांत्रिक राजनीति में किसी मुद्दे पर पक्ष-विपक्ष का एक-दूसरे की आलोचना करना स्वाभाविक है, लेकिन इसका मकसद कोई रास्ता खोलना होता है। मंमलवार को लोकसभा में प्रदूषण पर हुई बहस तो सिर्फ एक-दूसरे की टांग खिचाई करने की कवायद भर साबित हुई। आम जनता के जीवन से सीधे जुड़े इस मुद्दे का भी हथ्र अगर यही होना है तो फिर इस व्यवस्था में दूरदृष्टि के लिए कितनी गुंजाइश खोजी जाए? चर्चा में बीजेपी का सारा जोर दिल्ली की केजरीवाल सरकार को घेरने पर था। हालत यह हुई कि मौजूदा सरकार का विरोध करने के क्रम में बीजेपी सांसदों को कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार का गुणगान करने में भी कोई समस्या नहीं हुई। मामले का दूसरा पहलू यह रहा कि दिल्ली के कुछ सांसदों ने इस चर्चा में शामिल होना भी जरूरी नहीं समझा। हमारे सांसद प्रदूषण को लेकर कितने गंभीर हैं, इसका अंदाजा पिछले हफ्ते ही मिल गया था, जब इस मसले पर बुलाई गई संसद की स्टैंडिंग कमिटी की बैठक में 25 में से कुल 4 सदस्य पहुंचे और अधिकतर एएमपी नदारद रहे। बीजेपी की सांसद हेमा मालिनी ने संसद में प्रदूषण पर चली बहस को लेकर सांसदों के अनमनोपन पर कहा कि संभव है बाकी सांसदों के क्षेत्र में प्रदूषण कम होने के कारण वे उपस्थित नहीं हुए और दिल्ली में स्थिति ज्यादा गंभीर है इसलिए यहां के सांसदों को आना पड़ा। दरअसल प्रदूषण को लेकर देश के समूचे राजनीतिक नेतृत्व का रवैया इसी हल्केपन का शिकार है। मीडिया या जुडिशरी से इस मामले में दबाव बढ़ता है तो आनन-फानन कुछ उपाय किए जाते हैं, फिर सब इसे भूल जाते हैं। निश्चित और स्थायी उपाय के बारे में सोचा तक नहीं जाता। लेकिन ध्यान रहे, चुनौती सिर्फ कुछ इलाकों की आबोहवाा ठीक करने की नहीं है। जलवायु परिवर्तन का भयावह संकट हमारे सामने खड़ा है, जिससे निपटने के लिए कई देशों में युद्ध स्तर पर अभियान शुरू हो गया है। लेकिन हमारे लिए यह आज भी टाइमपास है और हमारे नेतागण इसे हंसी-मजाक में उड़ा देना चाहते हैं। जिन लोगों को लगता है कि प्रदूषण सिर्फ उत्तर भारत की समस्या है, उन्हें चेन्नै और केरल की बाढ़ को याद करना चाहिए। मौसमों के अत्याचार से देश का कोई न कोई हिस्सा हर साल तबाह हो रहा है। हमें पर्यावरण के प्रश्न को व्यापकता में लेकर नीतिगत स्तर पर कुछ बड़े फैसले लेने होंगे, जो तभी हो पाएंगे जब सभी जन प्रतिनिधि क्षुद्र राजनीति छोड़कर इस पर एकजुट हों।

फिरोज का विरोध करने वालो, काश! तुमने सनातन समझा होता

“ फिरोज की नियुक्ति बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्कृत धर्म विज्ञान संकाय में संस्कृत साहित्य विषय पढ़ाने के लिए असिस्टेंट प्रफेसर के पद पर हुई है। यहां पर आपके लिए यह जानना भी जरूरी है कि इस पद के लिए 10 उम्मीदवारों को चुना गया था। जिन उम्मीदवारों का साक्षात्कार हुआ उसमें सबसे ज्यादा अंक पाने के बाद फिरोज खान की नियुक्ति की गई। अब उनकी नियुक्ति को लेकर छात्र धरने पर हैं। 15 दिन ते गए लेकिन छात्रों का धरना खत्म नहीं हो रहा। इस धरने की असल वजह क्या है, यह हर छात्र अलग बता रहा है। कोई इस धरने के लिए फिरोज के मुस्लिम होने को पर्याप्त मान रहा है, तो कोई इसके लिए यूजीसी, संकाय या विश्वविद्यालय के नियमों की अनदेखी को वजह बता रहा है।

‘भारत केवल हिन्दुओं का देश नहीं है, यह मुस्लिम, इसाई और पारसियों का भी देश है। देश तभी विकास और शक्ति प्राप्त कर सकता है जब विभिन्न समुदाय के लोग परस्पर प्रेम और भाईचारे के साथ जीवन व्यतीत करेंगे। यह मेरी इच्छा और प्रार्थना है कि प्रकाश और जीवन का यह केन्द्र जो अस्तित्व में आ रहा है वह ऐसे छात्र प्रदान करेगा जो न सिर्फ बौद्धिक रूप से संसार के दूसरे श्रेष्ठ छात्रों के बराबर होंगे, बल्कि एक श्रेष्ठ जीवन व्यतीत करेंगे, अपने देश से प्यार करेंगे और परम पिता के प्रति ईमानदार रहेंगे।’ आपने ऊपर जो पढ़ा, यह वह संदेश है जो काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना मदन मोहन मालवीय ने बीएचयू के छात्रों को दिया था। यह संदेश आज भी बीएचयू की ऑफिशल वेबसाइट पर होमपेज पर सबसे ऊपर लगा हुआ दिख जाता है। लेकिन क्या बीएचयू के छात्रों ने इस संदेश को आत्मसात करने की कोशिश की? शायद नहीं, क्योंकि अगर उन्होंने इस बात को समझा होता तो न सिर्फ वे फिरोज खान को गले लगाते बल्कि इस बात पर गर्वित भी होते कि एक मुस्लिम परिवार में जन्म लेने के बाद भी वह देववर्णा से इतनी मोहब्बत करते हैं। फिरोज की नियुक्ति बनारस हिन्दू

विश्वविद्यालय के संस्कृत धर्म विज्ञान संकाय में संस्कृत साहित्य विषय पढ़ाने के लिए असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुई है। यहां पर आपके लिए यह जानना भी जरूरी है कि इस पद के लिए 10 उम्मीदवारों को चुना गया था। जिन उम्मीदवारों का साक्षात्कार हुआ उसमें सबसे ज्यादा अंक पाने के बाद फिरोज खान की नियुक्ति की गई। अब उनकी नियुक्ति को लेकर छात्र धरने पर हैं। 15 दिन हो गए लेकिन छात्रों का धरना खत्म नहीं हो रहा। इस धरने की असल वजह क्या है, यह हर छात्र अलग बता रहा है। कोई इस धरने के लिए फिरोज के मुस्लिम होने को पर्याप्त मान रहा है, तो कोई इसके लिए यूजीसी, संकाय या विश्वविद्यालय के नियमों की अनदेखी को वजह बता रहा है। लेकिन इस सबके बीच सोशल मीडिया पर जो विद्वेष फैलाया जा रहा है, उसकी सिर्फ एक वजह है, ‘फिरोज का मुस्लिम होना’। लेकिन क्या वाकई इस विषय पर विवाद होना चाहिए? क्या एक मुस्लिम प्रफेसर की संस्कृत धर्म विज्ञान संकाय में संस्कृत साहित्य विषय पढ़ाने के लिए की गई नियुक्ति का विरोध होना चाहिए? क्या इस विषय को लेकर सोशल मीडिया पर एक समुदाय विशेष को टारगेट किया जाना चाहिए?



सबसे पहले तो एक बात मैं अपने स्तर पर साफ कर दूं कि संवैधानिक दृष्टि से इस देश का प्रत्येक नागरिक समान है, संवैधानिक व्यवस्था के आधार पर किसी नागरिक को कोई विशिष्ट अधिकार नहीं मिले हैं और ना ही मिलने चाहिए। अब एक भारतीय के तौर पर बात करते हैं। संस्कृत को ‘देवभाषा’ अर्थात जो देवों की भाषा है, कहा गया है, और हमारे देश की धरती पर इस भाषा के पुष्पित और पल्लवित होने पर हमें गर्व है। लेकिन क्या इस गर्वानुभूति के साथ हमें इस बात पर शर्म नहीं आनी चाहिए कि विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा, जो हमारी अपनी है, हमें उसे अपने घर में नहीं पहुंचा पाए? क्या हमें इस बात पर शर्म नहीं आनी चाहिए कि हमारे घर के बच्चे

बीजेपी के खात्मे की दो बार खाई थी कसम

“ बीजेपी को मलाल था कि कल्याण सिंह को वापस लेकर भी उसे कोई सियासी लाभ नहीं हुआ तो कल्याण सिंह को लगा कि बीजेपी का फिलहाल कोई भविष्य नहीं है। उन्हें नया रास्ता तलाश करना होगा। 2009 के लोकसभा चुनाव के वक्त दोनों के रिश्तों में तल्खी इतनी बढ़ गई कि एक बार फिर कल्याण सिंह ने बीजेपी छोड़ दी और दोबारा बीजेपी को खत्म करने की कसम खाई। 2004 में बीजेपी में वापसी को अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल करार दिया और भविष्य में ऐसी भूल न करने का प्रण लिया।

छह दिसंबर 1992 की घटना के लिए कल्याण सिंह याद किए जाते हैं। बाबरी विध्वंस के बाद उनकी स्वीकारोक्ति थी- ‘जो कहा, वह किया।’ उनकी इस स्वीकारोक्ति ने उन्हें बीजेपी का ‘पोस्टर बॉय’ बना दिया था। वह ‘हिंदू हृदय सम्राट’ बन कर उभरे, लेकिन 1999 आते-आते उन्हें बीजेपी देश के लिए सबसे बड़ा खतरा लगने लगी। उसके बाद कोई एक दशक का वक्त ऐसा गुजरा जिसमें उन्होंने दो बार बीजेपी को खत्म करने की कसम खाई। मुसलमानों से ‘छह दिसंबर’ की घटना के ‘गिले-शिकवे’ भुला कर दोस्ती भी चाही। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, ‘मुसलमान भाई भी बीजेपी को खत्म करना चाहते हैं और अब हमने भी अपनी जिंदगी का यही मकसद बना लिया है। दुश्मन का दुश्मन दोस्त होता है।’ जिन मुलायम सिंह यादव पर 1990 में ‘राम भक्तों’ की ‘हत्या’ का इल्जाम उन्होंने ही लगा रखा था, उन्हीं मुलायम सिंह यादव के साथ उन्होंने यूपी में मिलकर सरकार भी चलाई और उन्हीं के समर्थन से लोकसभा भी पहुंचे। यह दीगर बात है कि 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने बीजेपी में फिर वापसी की। उनके पुत्र इस वक्त बीजेपी सांसद हैं और पौत्र योगी सरकार में मंत्री।

5 साल राजस्थान का राज्यपाल रहने के बाद कल्याण सिंह एक बार फिर सक्रिय राजनीति में लौट आए हैं।

पहली बार जब कसम खाई

यह 1999 की बात है। कल्याण सिंह दूसरी बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थे। यह कुर्सी उन्हें बीएसपी-बीजेपी के बीच 6-6 महीने के लिए मुख्यमंत्री पद के बंटवारे की शर्त पर हुए समझौते के तहत सितंबर 97 में मिली थी। उसके बाद बहुत सारे नाटकीय घटनाक्रम हुए। पहले मायावती ने कल्याण सिंह सरकार से समर्थन वापस लेकर सरकार गिरानी चाही तो उन्होंने कई दूसरी पार्टियों से जोड़-तोड़ करके अपनी सरकार बचा ली। उसके बाद उन्हीं की सरकार के एक मंत्री जगदीबका पाल ने बगावत करके मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली तो उसके विरोध में अटकलें अफीम की दुनिया में खिलने लगीं। लेकिन उनके बाद उनका आगे का रास्ता मुश्किलों से भर गया। बीजेपी के अंदर ही उनका विरोध शुरू हो गया। यह विरोध उस वक्त की लखनऊ की

एक पार्षद को लेकर शुरू हुआ था। कुसुम राय नाम की यह पार्षद सत्ता के गलियारों में बहुत ताकतवर होकर उभरी। कहा यह गया कि उन्हें कल्याण सिंह का वरदहस्त प्राप्त है। जिन-जिन नेताओं ने कुसुम राय का विरोध शुरू किया, उन्हें कल्याण सिंह की नाराजगी का सामना करना पड़ा। वह अपने विरोध को जितना दबाना चाह रहे थे, वह उतना ही मुखर होता जा रहा था।

असंतोष पर काबू पाने के लिए केंद्रीय नेतृत्व को अंततः कल्याण सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाने का फैसला करना पड़ा। 12 नवंबर 1999 को उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाते हुए रामप्रकाश गुप्त को मुख्यमंत्री बनाया गया। कल्याण सिंह इस घटना के बाद बागी हो गए। पार्टी ने उन्हें निकालने का ऐलान किया तो उन्होंने नहीं पार्टी बना कर बीजेपी को खत्म करने की कसम खा ली। 2002 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने बीजेपी के खिलाफ अपनी पार्टी के उम्मीदवार उतारे। हालांकि उन्हें महज चार सीटों पर जीत मिली, लेकिन उन्होंने उस चुनाव में बीजेपी का काफी नुकसान किया था। उस बार भी बीजेपी-बीएसपी की साझा सरकार बनी, लेकिन डेढ़ साल के भीतर ही गिर गई। इसके बाद अगस्त 2003 में

मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में जो वैकल्पिक सरकार बनी, उसका खाका तैयार करने वालों में कल्याण सिंह भी थे। कल्याण सिंह की पार्टी समाजवादी पार्टी के साथ सरकार में शामिल हुई थी, लेकिन 2004 आते-आते उन्होंने बीजेपी में वापसी करने का फैसला किया। राज्य के 2007 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने उन्हें चेहरा बनाकर चुनाव लड़ा, लेकिन उसे कोई फायदा नहीं हुआ। सरकार बीएसपी की बनी। बीजेपी को तीसरे नंबर पर रहना पड़ा।

वापसी को बताया सबसे बड़ी भूल

2007 के चुनाव नतीजों से बीजेपी और कल्याण सिंह, दोनों का एक-दूसरे से मोह भंग हो गया। बीजेपी को मलाल था कि कल्याण सिंह को वापस लेकर भी उसे कोई सियासी लाभ नहीं हुआ तो कल्याण सिंह को लगा कि बीजेपी का फिलहाल कोई भविष्य नहीं है। उन्हें नया रास्ता तलाश करना होगा। 2009 के लोकसभा चुनाव के वक्त दोनों के रिश्तों में तल्खी इतनी बढ़ गई कि एक बार फिर कल्याण सिंह ने बीजेपी छोड़ दी और दोबारा बीजेपी को खत्म करने की कसम खाई। 2004 में बीजेपी में वापसी को अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल करार दिया

विरोध नहीं हुआ। किस मूर्खता के साथ हम फिरोज का विरोध सिर्फ उनके नाम की कि जिस भाषा को विज्ञान सर्वाधिक व्याकरणिक मान रहा है, उसे हमने सिर्फ कर्मकांड की भाषा बनाकर रख दिया? मुझे तो एक भारतीय के तौर पर इन विषयों पर शर्म आती है। और इन सबके बीच हम कहते हैं कि भारत के प्रत्येक नागरिक को भारतीय परंपरा, साहित्य और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए, अब जब एक ‘भारतीय मुस्लिम’ भारत की भाषा के प्रति समर्पित है, उसे आत्मसात कर रहा है तो हम क्यों उसका विरोध कर रहे हैं? हमें तो इस पर खुश होना चाहिए, कि आज का मुसलमान रहीम, रसखान की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सनातन का मान बढ़ा रहा है।

कक्षा 2 से संस्कृत पढ़ने की शुरुआत करने वाले फिरोज ने संस्कृत में शास्त्री (स्नातक), आचार्य (परास्नातक), शिक्षा शास्त्री (बीएड) करने के बाद पीएचडी की उपाधि लेने के बाद पढ़ाना शुरू किया। उनके पिता रमजान खान ने भी संस्कृत विषय से ही स्नातक की डिग्री प्राप्त की। वह तिलक लगाते हैं, गायों की सेवा करते हैं, आपसपा के गांवों में जाकर भजन कीर्तन करते हैं, लेकिन सिर्फ नाम ‘रमजान’ होने की वजह से उनकी कभी

बीजेपी को मलाल था कि कल्याण सिंह को वापस लेकर भी उसे कोई सियासी लाभ नहीं हुआ तो कल्याण सिंह को लगा कि बीजेपी का फिलहाल कोई भविष्य नहीं है। उन्हें नया रास्ता तलाश करना होगा। 2009 के लोकसभा चुनाव के वक्त दोनों के रिश्तों में तल्खी इतनी बढ़ गई कि एक बार फिर कल्याण सिंह ने बीजेपी छोड़ दी और दोबारा बीजेपी को खत्म करने की कसम खाई। 2004 में बीजेपी में वापसी को अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल करार दिया और भविष्य में ऐसी भूल न करने का प्रण लिया।

बीजेपी को मलाल था कि कल्याण सिंह को वापस लेकर भी उसे कोई सियासी लाभ नहीं हुआ तो कल्याण सिंह को लगा कि बीजेपी का फिलहाल कोई भविष्य नहीं है। उन्हें नया रास्ता तलाश करना होगा। 2009 के लोकसभा चुनाव के वक्त दोनों के रिश्तों में तल्खी इतनी बढ़ गई कि एक बार फिर कल्याण सिंह ने बीजेपी छोड़ दी और दोबारा बीजेपी को खत्म करने की कसम खाई। 2004 में बीजेपी में वापसी को अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल करार दिया और भविष्य में ऐसी भूल न करने का प्रण लिया।

बीजेपी को मलाल था कि कल्याण सिंह को वापस लेकर भी उसे कोई सियासी लाभ नहीं हुआ तो कल्याण सिंह को लगा कि बीजेपी का फिलहाल कोई भविष्य नहीं है। उन्हें नया रास्ता तलाश करना होगा। 2009 के लोकसभा चुनाव के वक्त दोनों के रिश्तों में तल्खी इतनी बढ़ गई कि एक बार फिर कल्याण सिंह ने बीजेपी छोड़ दी और दोबारा बीजेपी को खत्म करने की कसम खाई। 2004 में बीजेपी में वापसी को अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल करार दिया और भविष्य में ऐसी भूल न करने का प्रण लिया।

बीजेपी को मलाल था कि कल्याण सिंह को वापस लेकर भी उसे कोई सियासी लाभ नहीं हुआ तो कल्याण सिंह को लगा कि बीजेपी का फिलहाल कोई भविष्य नहीं है। उन्हें नया रास्ता तलाश करना होगा। 2009 के लोकसभा चुनाव के वक्त दोनों के रिश्तों में तल्खी इतनी बढ़ गई कि एक बार फिर कल्याण सिंह ने बीजेपी छोड़ दी और दोबारा बीजेपी को खत्म करने की कसम खाई। 2004 में बीजेपी में वापसी को अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल करार दिया और भविष्य में ऐसी भूल न करने का प्रण लिया। समाजवादी पार्टी के समर्थन से उन्होंने निर्दलीय लोकसभा का चुनाव जीता, लेकिन मुलायम सिंह यादव के साथ उनकी दोस्ती लंबी नहीं चली। वह 2009 का चुनाव था जब यूपी से समाजवादी पार्टी का एक भी मुस्लिम सांसद जीत नहीं पाया। माना यह गया कि कल्याण सिंह का साथ लेने की वजह से मुसलमानों ने समाजवादी पार्टी से दूरी बना ली है। सियासी नुकसान होता देख मुलायम सिंह ने कल्याण सिंह को समर्थन देने के फैसले पर मुसलमानों से खेद जताया और कल्याण सिंह से किसी तरह का रिश्ता न रखने का वादा किया। इसके बाद कल्याण सिंह ने फिर से अपनी पार्टी को मजबूत करना शुरू किया। 2012 का विधानसभा चुनाव उन्होंने बीजेपी के खिलाफ लड़ा, लेकिन उनकी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। धीरे धीरे 2014 नजदीक आना शुरू हुआ। बीजेपी में बदलाव शुरू हुआ। मोदी के नेतृत्व में जब जीत का ताना-बाना बुना जाने लगा तो बीजेपी को एक बार फिर कल्याण सिंह की जरूरत हुई। बीजेपी में उन्होंने वापसी की। इस बार उन्होंने कसम खाई- ‘जिंदगी की आखिरी सांस तक अब बीजेपी का रहूंगा।’

नवप्रदेश के घर डाकिया

जो कुछ भी है तुम्हारे पास उस पर इतना मत इतराओ

कभी-कभी फार्म भरने के भी पैसे नहीं होते थे, स्कूल के 40 रुपये महीने की फीस बमुश्किल जमा हो पाती थी, स्नातक में प्रतिवर्ष के फीस 250 रुपये होती थी, जो मेरे स्नातक करने का एक प्रमुख कारण था। स्नातक के बाद बाहर पढ़ने की बात कही तो मना हो गया। चुकी रिश्तेदार दूसरे शहर में थे उन्होंने सहारा दे दिया तो, बाहर जाने का साहस 800 रुपये प्रति वर्ष थी, उसे 800 रुपए और खर्चों के लिए दूसरों के घर में पहली से लेकर स्नातक के जो भी बच्चे मिल

जाते, उन्हें दृश्यन पढ़ाने जाता था, तब जाकर कुछ पढ़ पाया। ये 40, 250 और 800 का नंबर थोड़ा भी ऊपर होता तो शायद पढ़ाई नहीं हो पाती। दूर से देखने वाला के लिए यह अविश्वसनीय, हँसी या उपहास का कारण हो सकता है, परंतु यही सच्चाई है, इसी सच्चाई के साथ मैं और कई मित्रों ने जिया है, और आज उनमें से अधिकतर अपने- अपने क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रह है। ऐसा नहीं है की मैं और मेरे मित्रों के वह कल आज नहीं है।

अजय पांडेय
बहूबाजार, रांची

एक नजर एक नजर

एसएससी के निर्देश पर हुई छापामारी 50 टन अवैध कोयला जब्त



धनबाद/कतरास। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार एसओजी टीम और कतरास पुलिस ने टीम बनाकर लगभग 5 लाख रूपय का अवैध कोयला किया जप्त। कतरास थाना क्षेत्र के कालुडीह में चल रहे अवैध कोयला डीप पर कतरास पुलिस और एसओजी टीम ने कल रात मारी छापा जिसमें लगभग 50 टन कोयला किया गया जप्त जिसकी कीमत लगभग 5 लाख बताई जा रही है थाना प्रभारी कतरास ने बताया कि इसकी सूचना बीसीसीएल के जीएम और एरिया के संबंधित अधिकारियों को दी गई लेकिन किसी तरह की कोई सुध नहीं ली कोयला नहीं ले जाने के कारण कोयले को कतरास थाना में लाकर रखा गया है। इन दिनों बाघमारा विधानसभा क्षेत्र में कोयला चोरों का आतंक मचा हुआ है कतरास रामकनालि तेलुतमारी फुलवाटांड राजगंज में कोयला चोरों का वारे न्यारे हो रहे हैं।

पाकी में एक मंच से भाजपा के 3 बड़े नेताओं ने भरी हुंकार

पांकी को अनुमंडल बनाना पहली प्राथमिकता: डॉ शशि भूषण मेहता



मेदिनीनगर। पलामू जिले के पांकी के मुख्य चौक पर जामा मस्जिद के समीप शुक्रवार की दोपहर 1२00 बजे से दोपहर 2२00 बजे तक भारतीय जनता पार्टी के पांकी विधानसभा प्रत्याशी डॉ शशि भूषण मेहता ने विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी भाजपा नेता लाल सूरज भाजपा नेत्री लवली गुप्ता सहित अपने दर्जनों समर्थकों के साथ चुनावी जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए लाल सूरज ने कहा की भारतीय जनता पार्टी ने देश व राज्य का मान बढ़ाया है। इस पार्टी कि सरकार ने कई ऐसे ऐतिहासिक कार्य किए जिसकी लोग कल्पना भी नहीं किए थे । यदि इसी तरह लोगों का सहयोग मिलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब देश की सभी विपक्षी पार्टियां स्वतः समाप्त हो जाएंगी उन्होंने मंच पर डॉक्टर मेहता को जीत की अग्रिम बधाई देते हुए विजय माला पहनाया व सभी वर्ग के लोगों से डॉ मेहता के पक्ष में वोट देने की अपील की,। कार्यक्रम के संबोधन में भाजपा नेत्री लवली गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मुद्दा विहीन राजनीत कर रही है । ऊंच नीच जात पात भेदभाव धर्म संप्रदाय के नाम पर लोगों को छलने का कार्य किया जा रहा है जिससे जनता त्रस्त हो चुकी है। आने वाले 30 तारीख को जनता इसका जवाब देगी व पांकी में इस बार कमल खिलेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ शशि भूषण मेहता ने कहा कि पिछले कई चुनाव से पांकी की जनता को ठगा जा रहा है पांकी को अनुमंडल बनाना, सिंचाई की व्यवस्था जैसे कई वादे किए गए जो टूट गए, अब यहां की जनता समझ चुकी है कि किसे अपना प्रतिनिधि चुनना है व कौन प्रतिनिधि सबका साथ व सबका विकास चाहता है, यदि क्षेत्र की जनता उन्हें विधायक बनाती है तो वे सर्वप्रथम पांकी को अनुमंडल, कोनवाई व लोहारसी को प्रखंड के साथ-साथ सिंचाई बिजली सड़क को प्राथमिकता देंगे। कार्यक्रम के संबोधन में भाजपा के तीनों दिग्गजों ने विरोधियों पर निशाना साधते हुए हुंकार भरी। तीनों दिग्गजों के समर्थकों की उपस्थिति की से मुख्य चौक पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई हजारों की संख्या में समर्थक भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, डा शशि भूषण मेहता जिंदाबाद के नारे लगाए, मौके पर कार्यक्रम में लवली गुप्ता, भाजपा नेता अजय गुप्ता सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

जेएमएम और कांग्रेस परिवार की भक्ति में लीन है ये परिवारवाद की राजनीति करते हैं, इसे इसबार जड़ से उखाड़कर जनता देगी मुंहतोड़ जबाब: रघुवर दास

हजारीबाग। स्थानीय मटवारी स्थित गांधी मैदान परिसर में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के हजारीबाग सदर के भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल और और मांडू विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल का संयुक्त नामांकन जनसभा का आयोजन हुआ7 जिसमें विशेषरूप से झारखंड के मुख्यमंत्री रघुवर दास, बिहार सरकार के मंत्री सह झारखंड के भाजपा विधानसभा चुनाव सह-प्रभारी नंदकिशोर यादव, हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा, भाजपा के उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के चुनाव प्रभारी विनय लाल, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक सांवरमल अग्रवाल, मेयर रोशनी तिकौी, डिप्टी मेयर राजकुमार लाल, भाजपा जिला अध्यक्ष टुन्नू गोप सहित अन्य गणमान्य नेतागण मौजूद हुए। सभी नेताओं का 51 किलो का माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात बारी- बारी से सभी नेताओं ने सदर भाजपा

प्रत्याशी मनीष जायसवाल और मांडू भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल के पक्ष में चुनावी नामांकन सभा को संबोधित किया। जनसभा में दोनों विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसैलाब उमड़ पड़ा। लोग गाजे- बाजे, ढोल- तासे और डीजे की धुन पर नाचते- झूमते और हाथों में भाजपा पताखा लहराते हुए थिरक रहे थे। जनसभा में जहाँ कटकमसांडी और कटकमदांग के समर्थक पारंपरिक मादर और नगाड़े से लैस दिखे वहीं सदर प्रखंड की टोली में महिला तासा वादक आकर्षक का केंद्र रही। नगर क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री जायसवाल के भाई प्रशांत जायसवाल के नेतृत्व में युवा बाइक पर सवार होकर नामांकन स्थल पहुंचे तो महिला समर्थकों में विशेष उत्साह और उमंग दिखा।

जनसभा को संबोधित करते हुए सूबे के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा की झारखंड मुक्ति मोर्चा

फोटो न. 4. नामांकन करते लक्ष्मण नायक बिना तामझाम के भाजपा गोमिया प्रत्याशी ने किया नामांकन



पेटरवार। गोमिया विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण नायक ने बिना तामझाम के

कस्तुरबा विद्यालय में विज्ञान पर कार्याशाला का आयोजन बेहतर मॉडल बनाने वाले विद्यालय को किया पुरस्कृत

बेरमो। कस्तूरबा श्री विद्या निकेतन ढोरी में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं विद्या भारती संस्कृति शिक्षा के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को वैज्ञानिक सोच का विकास पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राम रतन उच्च विद्यालय के शिक्षक अजित सिंह, विशिष्ट अतिथि मनीष अग्रवाल, अशोक सिंह आदि ने दीप प्रज्वालित कर कार्यशाला का उदघाटन किया। विज्ञान प्रदर्शनी में छह विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित किया। साथ ही विद्युत ऊर्जा, चुंबकीय क्षेत्र और पवन चक्की के बारे में जानकारी दी।

छात्र-छात्राओं द्वारा बनाये गये मॉडल का अतिथियों ने काफी सराया। इस दौरान बेहतर मॉडल बनाने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। जिसमें



प्रथम कस्तूरबा श्री विद्या निकेतन, द्वितीय सरस्वती शिशू विद्यामंदिर मकोली व तृतीय सरस्वती शिशू विद्यामंदिर तुपकाडीह रहा। मुख्य अतिथि सिंह ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक सोच को विकसित करना है। कहा कि वे शिक्षक बच्चों का

उचित मार्गदर्शन करते हुए उन्हें आगे बढ़ाने में मदद करें। कहा कि बच्चें समय को जाया ना करें बल्कि उसका उपयोग लगाकर स्वध्याय में लगाएं और प्रतियोगिता परीक्षा के लिए तैयारी करते रहें, इसी से उन्हें मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि जो भी मॉजिल ईमान ने निश्चित किया

उसे ईसान ही प्राप्त कर सकता है इसलिए कभी भी किसी मॉजिल को ज्यादा ऊंचा ना समझें। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि वे आत्मविश्वास बनाए रखें उन्हें सफलता हासिल होकर रहेगी, बस अपनी पढ़ाई में ध्यान दें। मौके पर दर्जनों शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे।

पाकी में एक मंच से भाजपा के 3 बड़े नेताओं ने भरी हुंकार पांकी को अनुमंडल बनाना पहली प्राथमिकता: डॉ शशि भूषण मेहता



मेदिनीनगर। पलामू जिले के पांकी के मुख्य चौक पर जामा मस्जिद के समीप शुक्रवार की दोपहर 1:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक भारतीय जनता पार्टी के पांकी विधानसभा प्रत्याशी डॉ शशि भूषण मेहता ने विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी भाजपा नेता लाल सूरज भाजपा नेत्री लवली गुप्ता सहित अपने दर्जनों समर्थकों के साथ चुनावी जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए लाल सूरज ने कहा की भारतीय जनता पार्टी ने देश व राज्य का मान बढ़ाया है। इस पार्टी कि सरकार ने कई ऐसे ऐतिहासिक कार्य किए जिसकी लोग कल्पना भी नहीं किए थे। यदि इसी तरह लोगों का सहयोग मिलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब देश की सभी विपक्षी पार्टियां स्वतः समाप्त हो जाएंगी उन्होंने मंच पर डॉक्टर मेहता को जीत की अग्रिम बधाई देते हुए विजय माला पहनाया व सभी वर्ग के लोगों से डॉ मेहता के पक्ष में वोट देने की अपील की,। कार्यक्रम के संबोधन में भाजपा नेत्री लवली गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मुद्दा विहीन राजनीत कर रही है। ऊंच नीच

कई ऐसे ऐतिहासिक कार्य किए जिसकी लोग कल्पना भी नहीं किए थे। यदि इसी तरह लोगों का सहयोग मिलता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब देश की सभी विपक्षी पार्टियां स्वतः समाप्त हो जाएंगी उन्होंने मंच पर डॉक्टर मेहता को जीत की अग्रिम बधाई देते हुए विजय माला पहनाया व सभी वर्ग के लोगों से डॉ मेहता के पक्ष में वोट देने की अपील की,। कार्यक्रम के संबोधन में भाजपा नेत्री लवली गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मुद्दा विहीन राजनीत कर रही है। ऊंच नीच

जात पात भेदभाव धर्म संप्रदाय के नाम पर लोगों को छलने का कार्य किया जा रहा है जिससे जनता त्रस्त हो चुकी है। आने वाले 30 तारीख को जनता इसका जवाब देगी व पांकी में इस बार कमल खिलेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ शशि भूषण मेहता ने कहा कि पिछले कई चुनाव से पांकी की जनता को ठगा जा रहा है पांकी को अनुमंडल बनाना, सिंचाई की व्यवस्था जैसे कई वादे किए गए जो टूट गए, अब यहां की

जनता समझ चुकी है कि किसे अपना प्रतिनिधि चुनना है व कौन प्रतिनिधि सबका साथ व सबका विकास चाहता है, यदि क्षेत्र की जनता उन्हें विधायक बनाती है तो वे सर्वप्रथम पांकी को अनुमंडल, कोनवाई व लोहारसी को प्रखंड के साथ-साथ सिंचाई बिजली सड़क को प्राथमिकता देंगे। कार्यक्रम के संबोधन में भाजपा के तीनों दिग्गजों ने विरोधियों पर निशाना साधते हुए हुंकार भरी। तीनों दिग्गजों के समर्थकों की उपस्थिति की से मुख्य चौक पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई हजारों की संख्या में समर्थक भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद, डा शशि भूषण मेहता जिंदाबाद के नारे लगाए, मौके पर कार्यक्रम में लवली गुप्ता, भाजपा नेता अजय गुप्ता सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

बेरमो से आजसू प्रत्याशी काशीनाथ सिंह ने किया नामांकन



बोकारो। विधानसभा सभा चुनाव 2019 के तीसरे चरण में होने वाली मतदान को लेकर तेनुघाट अनुमंडल कार्यालय में हो रही नामांकन के छठे दिन शुक्रवार को अनुमंडल कार्यालय तेनुघाट में गोमिया व बेरमो के तीन तीन प्रत्यक्षियों ने अपना पर्चा दाखिल किया वही गोमिया व बेरमो के लिए तीन तीन पर्चा खरीदे गए। कुल छह पर्चा भरे गए जिसमे बेरमो विधानसभा क्षेत्र से आजसू के प्रत्याशी काशीनाथ सिंह पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया प्रजातांत्रिक चंदन कुमार अमरा बंगाली पार्टी से टेको महती ने पर्चा भरा वही गोमिया से पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया प्रजातांत्रिक मनोज कुमार महतो, भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण कुमार नायक निर्दलीय उम्मीदवार खुदीराम महतो निर्दलीय उम्मीदवार निखिल सोरेन पर्चा भरा गोमिया विधानसभा क्षेत्र से तीन नामांकन प्रपत्र खरीदे गए जिसमे लोजपा से पंकज कुमार पांडेय, बसपा से अजय रंजन, निर्दलीय प्रत्याशी गुलाम समदानी वही बेरमो से लोजपा से उमेश खानी, झापा सबिता देवी, व निर्दलीय से खिरोधर किस्कू ने नामांकन प्रपत्र खरीदे। गोमिया से कुल 22 प्रपत्र व बेरमो से कुल 17 प्रपत्र की खरीद की गई। वही बेरमो निर्वाची पदाधिकारी प्रेमरंजन से शिवसेना पार्टी के ओर से नामांकन कराने आये बैजनाथ गोरई के कागजात में त्रुटि होने के कारण निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय से बैरंग लौटना पड़ा। नामांकन समय समाप्ति के बाद गोमिया के निर्वाची पदाधिकारी विजय कुमार गुप्ता व बेरमो निर्वाची पदाधिकारी प्रेमरंजन ने संयुक्त रूप से बताया कि हर माह के द्वितीय व चतुर्थ शनिवार को कार्यालय बंद रहने के कारण शनिवार को नामांकन की प्रक्रिया नहीं होगी तथा अगला नामांकन 25 नवंबर सोमवार को होगी।

भाजपा सफेद झूठ बोल शिक्षित युवाओ को ठग रही हैं: देबू महतो



धनबाद। भाजपी बताएं डबल इंजन की सरकार 5 वर्षों में कितने युवाओं को रोजगार से अथवा नौकरी दी सरकार आंकड़ा देने में सक्षम नहीं नहीं हो सकती भाजपा युवाओं की भावना को छलने की कार्य कर सफेद झूठ बोल रही है उक्त बातें झामुमो नेता देबू महतो ने कहीं श्री महतो ने आगे कहा कि भाजपा 1990 के दशक से राम

मंदिर की राजनीति कर कई बार केंद्र तथा प्रदेश में सत्ता हासिल किये सत्ता में रहते इन्हें प्रभु श्रीराम की याद नहीं आती है 5 वर्षों से डबल इंजन सरकार ने युवा किसान शिक्षक बेरोजगारी आंगनबाड़ी सेविका पारा शिक्षकों पर काम नहीं किया खनिज संपदा से भरा पड़ा झारखंड को सरकार जहा मर्जी खोदा,सरकार की फाइल खुली तो भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार नजर आएगा राज्य के शिक्षित पढ़े लिखे हुनरमंद अभ्यार्थियों के लिए सरकार कभी ध्यान नहीं दिया प्रभु श्री राम की मंदिर बनने से झारखंड के कितने युवाओं को रोजगार मिलेगी इसकी गारंटी भाजपा नेताओं को सुनिश्चित करना चाहिए, उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव घोषणा होते ही भाजपा प्रदेश के माहौल खराब करने की अथक प्रयास होगी इससे युवाओं को बचना चाहिए 5 साल की अवधि डबल इंजन सरकार में ईमानदारी है तो जनता को बताएं पीएचईडी विभाग में झारखंड प्रदेश के कितने अभियंताओं तथा शिक्षको की बहल की गई है।

डबल इंजन की सरकार बनने से विकास काम होने लगा है: रघुवर दास

चतरा। मुख्यमंत्री रघुवर दास ने आरोप लगाया है कि कांग्रेसजनों तथा राजद ने झारखंड को लूटा है। निर्दलीय मुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश के संसाधनों का तीनों पार्टियों ने खूब दोहन किया है। डबल इंजन की सरकार बनने के बाद ही इस प्रदेश में पर्याप्त रूप से विकास का काम होने लगा है। यह बात मुख्यमंत्री रघुवर दास ने आज चतरा के सिमरिया में नामांकन रैली को संबोधित करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 तक झारखंड में उग्रवाद का बोलबाला था। कांग्रेसी झामुमो तथा राजद के शासनकाल में उग्रवाद चरम पर पहुंच गया था। लेकिन 2014 के बाद डबल इंजन की सरकार ने इस प्रदेश से उग्रवाद का सफाया किया। उन्होंने आने वाले दिनों में चतरा में स्टील प्लांट की स्थापना होने की बात कही। कहा कि चतरा व चाईबासा के मनोहरपुर में सरकार स्टील प्लांट की स्थापना करेगी, जिससे यहां के बेरोजगार युवकों को रोजगार मिलेगा।

जोएमएम और कांग्रेस परिवार की भक्ति में लीन है ये परिवारवाद की राजनीति करते हैं, इसे इसबार जड़ से उखाड़कर जनता देगी मुंहतोड़ जबाब: रघुवर दास

मुक्ति मोर्चा ने वर्षों लटका कर रखा और राजनीति की। स्थानीय नीति बन जाने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ हुई और हजारों की संख्या में हमने यहां के 90 फ़ीसदी स्थानीय युवाओं को रोजगार प्रदान किया। 13 अनुसूचित क्षेत्रों में 10 साल के लिए स्थानीय को तृतीय व चतुर्थ श्रेणी में नौकरी मिले, इसकी व्यवस्था की गई। रघुवर दास ने कहा कि राज्य गठन के बाद 2014 तक राजनीतिक अस्थिरता थी। विकास और कानून व्यवस्था सुदृढ़ नहीं थी। भ्रष्टाचार और उग्रवाद चरम पर था। विगत 5 वर्ष में एक बेदाग सरकार रही, जिसपर भ्रष्टाचार का एक भी और आरोप नहीं लगा और उग्रवाद आज अंतिम सांस गिन रहा है। रघुवर दास ने कहा कि बिजली व सड़क के बिना विकास संभव नहीं। 67 साल में (2014 तक) झारखण्ड के 38 लाख घरों में बिजली थी। डबल इंजन की सरकार ने 5 वर्ष के कार्यकाल में 30 लाख घरों को बिजली से



मजबूत सरकार दें। जिसकी जरूरत झारखंड के संपूर्ण विकास के लिए है। आपने 2014 व 2019 के चुनाव में बता दिया कि जातिवाद, संप्रदायवाद, नकारात्मक, तुष्टिकरण की राजनीति अब पसंद नहीं। परिवारवाद की राजनीति करने वाले राहुल गांधी को देश की लिए सरकार 700 करोड़ रुपए खर्च कर रही है ताकि उन्हें हुनरमंद बनाकर रोजगार व स्वरोजगार प्रदान किया जा सके। स्थानीय नीति नहीं होने की वजह से राज्य में नियुक्तियां बाधित हो रही थी। हमने स्थानीय नीति बनाई, जिसे कांग्रेस और झारखंड

आच्छादित कर दिया। किसानों को प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि योजना व मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना के जरिए कृषि कार्य हेतु 31 हजार मिल रहा है। झबल इंजन की सरकार की वजह से महिलाओं को मुफ्त चूल्हा व डबल सिलेंडर प्राप्त हुआ। सुकन्या योजना बच्चियों की समृद्धि के लिए लागू की गई। राज्य के 57 लाख परिवार का स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित हुआ, विधवा बहनों को पेंशन की राशि 600 से बढ़ाकर एक हजार कर दी गई। बेघरों को आवास मिला। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, जिस तरह झारखंड खनिज संपदा से परिपूर्ण है उसी तरह यहां के पर्यटन स्थल अपने आप में अद्भुत हैं। राज्य सरकार रामगढ़ स्थित मां छिन्नमस्तिका के मंदिर को वैष्णो देवी के दर्ज पर विकसित कर रही है। ईटखोरी में 400 करोड़ की लागत से बौद्ध स्तूप का निर्माण किया जा रहा है। जैन धर्मावलंबियों का तीर्थ स्थल पारसनाथ भी

विकसित हो रहा है। रामगढ़ स्थित पतरातू डैम की तस्वीर हमने प्रथम प्रथम चरण में बदली है। इसे मुंबई के मरीन ड्राइव के दर्ज पर विकसित किया जाएगा।

बिहार सरकार के मंत्री सह भाजपा के झारखण्ड विधानसभा चुनाव सह- प्रभारी नंदकिशोर यादव ने कहा की भ्रष्टाचारी और स्वहित में राजनीत करने वालों को नकार कर सबका साथ-सबका विकास करने वाली भाजपा के पक्ष में मतदान करें और फीर ईमानदार और सकार झारखण्ड में बनाये7 उन्होंने कहा की मैंने हजारीबाग में अपनी बेटी व्याही है और बेटी का ससुराल खुशहाल हो पूरे झारखंड में जोरदार कमल खिले इसीलिए विगत दो महीने से लगातार संगठन का कार्य कर रहा हूँ। हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा ने कहा की जनता विपक्षी ठाबंधन की जातिवाद, वंशवाद और विनास की राजनीति को छोड़कर भाजपा की विकास और विश्वास की राजनीति के साथ है।

महादेव ने बताए हैं मृत्यु के ऐसे संकेत जानिए कैसी होती है मौत की आहट

मानव जीवन जन्म और मृत्यु के बीच के चक्र में घूमता रहता है। किसी इंसान ने यदि जन्म लिया है तो उसकी मृत्यु भी निश्चित है। मानव अपने जीवन और मोक्ष के बीच की यात्रा के दौरान जिंदगी के कई पहलुओं को देखता है और अंत में ब्रह्मांड की अनंत गहराइयों में विलिन हो जाता है। मनुष्य की मृत्यु से पहले कुछ खास संकेत दिखाई देते हैं। भगवान शिव ने कुछ ऐसे संकेतों को बताया है जो मानव के अंतिम क्षणों से पहले दिखाई देते हैं।

सांसें देती है मृत्यु के संकेत

जिस व्यक्ति की मृत्यु निकट होती है उसको अपना चेहरा दर्पण में दिखाई नहीं देता है और किसी ओर का चेहरा होने का भ्रम होता है। चांद, सूरज और आग की रोशनी न देख पाने वाला व्यक्ति भी ज्यादा दिनों तक नहीं जी पाता है। पानी, तेल या दर्पण में परछाई दिखाई ना दे या विकृत दिखाई दे तो ऐसा इंसान सिर्फ छह महीने



तक जी पाता है। श्वास यदि बहुत धीमे चल रहा है तो मृत्यु दो-तीन दिनों में हो सकती है।

यदि कोई व्यक्ति सिर्फ दाहिनी नासिका से श्वास ले पा रहा है तो यह गंभीर रूप से अस्वस्थ होने की सूचक है। ऐसे व्यक्ति की मृत्यु आने वाले तीन साल में हो सकती है। यदि दक्षिणी सांस लगातार दो-तीन दिन तक चलता रहे तो ऐसा व्यक्ति सिर्फ एक साल जी पाता है।

यदि दोनों नथुनों से 10 दिन तक लगातार ऊँचा सांस चल रहा

है तो वह व्यक्ति तीन दिन में दम तोड़ देता है। यदि सांस नाक को छोड़कर सिर्फ मुंह से चलने लगे तो आने वाले दो दिनों में उसकी मृत्यु हो सकती है। जिस व्यक्ति के मल, मूत्र और वीर्य और छींक एकसाथ गिरते हैं। उसकी उम्र का केवल एक साल बचा हुआ समझना चाहिए। जिस व्यक्ति के वीर्य, नख और नेत्रों का कोना नीले या काले हो जाएं तो ऐसा मनुष्य छह से एक साल के बीच मृत्यु को प्राप्त हो जाता है।

दर्द का अहसास देता है कितनी बाकी है जिंदगी

यदि किसी व्यक्ति का शरीर अचानक पीला या सफेद पड़ जाए और ऊपर से कुछ लाल दिखाई देने लगे तो ऐसे इंसान की मृत्यु छह माह में होने की संभावना है। जिस व्यक्ति को रंगों की समझ ना रहे और स्वाद का भी पता ना चले तो ऐसे व्यक्ति की मौत आगामी छह माह में हो सकती है। यदि किसी व्यक्ति की मुंह, जीभ, कान, आंखें, नाक पथरा जाए तो समझ लेना चाहिए ऐसे इंसान की मृत्यु छह माह बाद हो सकती है। जिस व्यक्ति की जीभ फूल जाए, दांतों से मवाद निकलने लगे और सेहत ज्यादा खराब हो तो ऐसे व्यक्ति की मौत भी छह माह में हो सकती है। यदि इंसान के शरीर पर काली, लाल और नीली रेखाएं उभर आए तो उन मानव के जीवन पर मौत का खतरा मंडराने लगता है। यदि व्यक्ति अपने केश और रोम पकड़कर खींचें और दर्द न हो तो उसको अपनी आयु

पूर्ण मान लेना चाहिए। कान बंद करने पर आवाज सुनाई ना दे, शरीर में अचानत मोटपे या दुबले होने के लक्षण दिखाई दे तो एक माह में मृत्यु हो सकती है।

कुत्ता भी बताता है मौत नजदीक है

मृत्यु के तीन-चार दिन पहले व्यक्ति को अपने आसपास किसी साए के होने का अहसास होता है। यह भी माना जाता है की व्यक्ति को अपने पूर्वजों के साथ का अहसास होता है। इस तरह का अहसास मृत्यु का सूचक है। यदि व्यक्ति अपनी नाक की नोक नही देख पाता है उसकी मृत्यु भी निकट होती है। यदि व्यक्ति के नीले रंग की मबिखयां घसे लगे और ज्यादातर समय उसके पास रहे तो मान लेना चाहिए की मृत्यु निकट है और सिर्फ एक महीना बचा है। ब्यांघ हथ एक सप्ताह तक फड़कता रहे तो समझ लेना चाहिए की मृत्यु निकट है। कुत्ता घर से निकलने पर लगातार तीन-चार दिनों तक पीछे चलने लगे यह भी मृत्यु के संकेत है।

गुलाबी लहंगे में ईशा अंबानी का रॉयल अवतार



देश के सबसे अमीर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी ने पिछले साल 12 दिसंबर को आनंद पीरामल से शादी की थी। शादी के बाद से उनकी कई तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। पिछले दिनों ईशा अपने मायके एंट्रीलिया में हुई एक प्रीवेडिंग सेरेमनी में नजर आई थीं। अब ईशा की कुछ नई तस्वीरें सामने आई हैं ।

ईशा अंबानी अक्सर अपने ड्रेसिंग सेंस और फैशन को लेकर चर्चा में रहती हैं। इस बार ईशा की फोटो सामने आई हैं जिनमें वो

पिंक कलर का बेहद खूबसूरत लहंगा पहने दिख रही हैं। इस लहंगे को अबु जानी और संदीप खोसला ने डिजाइन किया है। ईशा ने इस लहंगे के साथ फोटोशूट करवाया।

ईशा अंबानी तस्वीर में चोकर नेकलेस पहने नजर आ रही हैं। साथ ही हाथ में मैचिंग कड़े पहने हैं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है। वहीं लाइट मेकअप ने उनके लुक को पूरा किया है। अपने कपड़ों और फैशन के बारे में ईशा ने वोग मैगजीन को दिए इंटरव्यू में कई सारी बातें बताई थीं।

सर्दियों में काली और रूखी कोहनी से मिलेगा छुटकारा

नारियल के तेल का इस तरह से करें इस्तेमाल

सर्दियों के मौसम में त्वचा का रूखा और बेजान हो जाना आम बात है। और इसका सबसे ज्यादा असर कोहनी और घुटने पर पड़ता है। क्योंकि यहां की त्वचा सख्त होती है और इसे ज्यादा पोषण की जरूरत होती है। तो अगर आंगे से कभी भी कोहने या घुटने के काले और रूखेपन से शर्मिंदा नहीं होना है तो नारियल के तेल का इस्तेमाल करें। इसके अलावा और भी कुछ घरेलू नुस्खे हैं जिनको आजमाकर काली और रूखी कोहनी से छुटकारा मिल सकता है। आगे की स्लाइड में जानें इसका सही तरीके से इस्तेमाल....



का उपयोग करने से त्वचा के दाग-धब्बे साफ होते हैं। इसके अलावा नारियल के तेल का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

नारियल का तेल



नारियल का तेल मॉइस्चराइजिंग गुण से भरपूर होने के साथ त्वचा के लिए एक अच्छा टॉनिक भी है। नहाने से पहले अपने पूरे शरीर और कोहनी एवं घुटनों पर नारियल तेल लगाए, इससे त्वचा मुलायम रहती है और कोहनी और घुटने की त्वचा पर गंदगी नहीं जमती।

फैशन के लिए बढ़ाती हैं नाखून तो सावधान, गंभीर हो सकते हैं परिणाम

जो लोग नाखून के बारे में ज्यादा समझ नहीं रखते, वे साफ-सुथरे और अच्छी तरह से तराशकर रखे गए नाखूनों को अक्सर सौंदर्यशास्त्र से जोड़कर देखते हैं, लेकिन नाखूनों की एक अलग दुनिया है, जहां सौंदर्य से ज्यादा सेहत का मामला है। नाखून केराटिन नामक एक कठोर प्रोटीन से बने होते हैं। ये पैर और हाथ की उंगलियों के संवेदनशील पोर की सुरक्षा करते हैं। नाखून वस्तुओं को उठाने में भी सहायता करते हैं। लेकिन कभी आपने सोचा है कि स्वास्थ्य संबंधी सलाह देने वाले लोग आपको समय-समय पर नाखून को काटते रहने के लिए क्यों कहते हैं?

लंबे और गंदे नाखून संभावित रूप से संक्रमण जैसे कि गिनवर्मस पैदा कर सकते हैं। लंबे और गंदे नाखून में अधिक गंदगी और घातक बैक्टीरिया होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप गंभीर संक्रमण हो सकता है। अध्ययनों में इस बात के संकेत मिले हैं कि नाखून में पाए जाने वाले बैक्टीरिया दस्त और उल्टी का कारण बनते हैं, जो कि बच्चों में



बहुत आम है। नाखून गंदे हैं, तो रोगाणु आसानी से उनके शरीर में जा सकते हैं और परिणामस्वरूप संक्रमण हो सकता है, इसलिए बच्चों के नाखूनों को समय-समय पर काटते रहना चाहिए। बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक और संवेदनशील होती है और यदि उनकी मां के नाखून लंबे हैं, तो उससे बच्चे को चोट लग सकती है। बच्चों के साथ-साथ उनकी देखभाल करने वाली माताओं को भी विशेष रूप से अपने नाखूनों की स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि वे आमतौर पर खाद्य पदार्थों को संभालती हैं या शिशुओं के गंदे नैपी को धोती या बदलती हैं, तो आसानी से

नाखून के नीचे सभी तरह के कीटाणुओं को आश्रय मिल सकता है। गर्भावस्था के दौरान, हार्मोन और मल्टीविटामिन के सेवन के साथ, नाखून सामान्य से अधिक तेज गति से बढ़ते हैं, लेकिन इसका विपरीत पक्ष यह है कि वे पतले और भंगुर हो सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप नाखून किसी चीज में फंस सकते हैं। अगर ये गंदे हों, तो संक्रमण हो सकता है, जो मां और भ्रूण के समग्र स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। इस दौरान त्वचा पर खिंचाव के कारण पेट पर बहुत खुजली होती है और लंबे नाखून वास्तव में उस स्थिति में चोट पहुंचा सकते हैं।

महिलाओं का दिमाग पुरुषों से होता है अलग? स्टडी में सामने आई अनोखी बात

कॉर्निटिव न्यूरो साइंटिस्ट गिना रिप्पन की जदिगी में साल 1986 में 11 जून सबसे हसीन दिन था।इस दिन उन्होंने अपनी बेटी को जन्म दिया था।और यही वो दिन था जब मशहूर फुटबॉलर गैरी लीनेकर ने मर्दों के फुटबॉल वर्ल्ड कप में हैट्रिक बनाई थी। उस रात रिप्पन के वॉर्ड में 9 बच्चे पैदा हुए थे। सभी रोते हुए नवजातों को बारी-बारी से उनकी मां को सौंपा जा रहा था।

जब रिप्पन को उनकी बच्ची सौंपी गई तो नर्स ने कहा, “ये बच्ची सबसे ज्यादा शोर कर रही है।लड़की जैसी आवाज़ ही नहीं लग रही।”+ नर्स की बात सुनकर रिप्पन सोच में पड़ गई कि अभी उनकी बच्ची को पैदा हुए 10 मिनट भी नहीं हुए और उसे लड़की और लड़के की श्रेणी में बांट दिया गया। लड़का-लड़की में भेद वाली ऐसी सोच पूरी दुनिया फैली है।

जबकि ईश्वर ने दोनों को एक जैसा बनाया है।खुद इंसान भी यही मानता है कि मर्द और औरत जदिगी की गाड़ी के दो पहिए हैं। फिर भी दोनों आपस में ही फर्क करते हैं।मर्द और औरत के जूहन बुनियादी तौर पर एक दूसरे से अलग है। इस विचार को चुनौती देने के लिए रिप्पन कई दशकों से काम कर रही हैं।उनका काम द जेडडै ब्रेन

नाम की किताब में दर्ज हैं।

महिलाओं और पुरुषों का दिमाग

रिप्पन खुद इस बात की वकालत करती हैं कि इंसान का दिमाग लिंग की बुनियाद पर एक दूसरे अलग नहीं होता। बल्कि समाज इसका एहसास कराता है।ऐसे में उनकी किताब का शीर्षक थोड़ा गुमराह करने वाला सा लगता है। पैदाइश से लेकर बुढ़ापे तक हमारे बर्ताव, चाल-ढाल और सोच-समझ के तरीके को आधार बनाकर ही मान लिया गया है कि औरत और मर्द के दिमाग में बुनियादी फर्क है। रिप्पन को इस बात की तकलीफ ज्यादा है।साइंस 2019 में भी हम ऐसी दकयिानूसी सोच को आगे बढ़ा रहे हैं।लैंगिक भेदभाव आज भी जारी है।भले ही इसका रंग-रूप बदल गया है।

करीब 200 बरसों से हम ये जानने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या मर्द का दिमाग औरत के दिमाग से अलग है। लेकिन हमेशा ही इस सवाल का जवाब नहीं में रहा है।साइंस और तकनीक की मदद लेने के बाद भी कुछ पुराने खयाल पूरी तरह गलत साबित हुए हैं।फिर भी समाज से ये फर्क नहीं मिट रहा है। एक सच ये भी है कि महिलों का मस्तिष्क पुरुषों के मुकाबले औसतन छोटा होता है।औरतों के मस्तिष्क का आकार



पुरुषों से करीब 10 फीसद छोटा होता है।और इसी की बुनियाद पर महिलाओं की समझ को कम कर के आंका जाता है। रिप्पन कहती हैं अक्ल और समझ का संबंध अगर मस्तिष्क के आकार से होता, तो हाथी और स्पर्म व्हेल का दिमाग आकार में इंसान से कहीं ज्यादा बड़ा होता है।तो फिर उनमें इंसान जैसी समझ क्यों नहीं होती।बताया जाता है कि मशहूर वैज्ञानिक आईस्टाइन का मस्तिष्क औसत मर्दों के मुकाबले छोटा था।लेकिन उनकी समझ और अक्ल का कोई सानी नहीं था।

दिमाग के आकार का अवल से रिश्ता

इस बुनियाद पर कहा जा सकता

है कि दिमाग के आकार का अक्लमंदी से कोई लेना नहीं है।फिर भी, समाज में फर्क करने वाली सोच अपनी जड़ मजबूत किए हुए है। नक्शे पढ़ने का काम पूरी तरह समझ की बुनियाद पर आधारित है। लेकिन अक्सर ये काम मर्दों को ही दिया जाता है क्योंकि माना जाता है कि वही इस काम को बेहतर कर सकते हैं। रिप्पन का कहना है कि मस्तिष्क के आकार के अंतर को कुछ ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया गया है।ये तो हम जानते हैं कि हमारा मस्तिष्क दो गोलार्ध में बंटा होता है। इन दोनों हिस्सों को बीच होता है कॉर्पस कैलोसम जो दिमाग के दोनों हिस्सों के बीच पुल का काम करता है। इसे इफ़र्मेशन ब्रिज या सूचना का पुल

भी कहते हैं।और ये ब्रिज पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में ज्यादा व्यापक होता है।

क्या कहता है विज्ञान?

साइंस की ये रिसर्च महिलाओं को अतार्किक बताने वालों को आईना दिखाती है। अक्सर कहा जाता है कि महिलाओं में सोचने समझने की क्षमता कम होती है। क्योंकि, उनकी सोच पर जन्जात ज्यादा हावी रहते हैं। जबकि रिसर्च इन सभी बातों को गलत साबित करती है। रिप्पन अपनी कतिाब में लिखती हैं, आम धारणा ये है कि पुरुष गणित और विज्ञान के अच्छे जानकार होते हैं। इन दो मुश्किल विषयों को उनका दिमाग ज्यादा बेहतर समझता है। इसलिए नोबेल पुरस्कार या ऐसे ही अन्य बड़े

पुरस्कार जीतने पर उनका पहला हक है।जबकि ये दावे सरासर गलत हैं। दशकों की रिसर्च के बाद साबित हो गया है कि दिमाग एक ही तरह से काम करता है।यहां तक कि मर्द और औरत के मस्तिष्क की बनावट में फर्क कर पाना भी मुश्किल है।

हमारी सोच को शकल देने में हार्मोन का बड़ा रोल होता है।औरतों को हर महीने मासिक धर्म की बायोलॉजिकल साइकिल से गुजरना पड़ता है।इस वक़्त उनके शरीर में कई तरह के हार्मोन रिसते हैं और इसी बुनियाद पर उन्हें कई अहम मौकों पर काम करने से रोक दिया जाता है। यहां तक कि अमरीका के स्पेस प्रोग्राम में महिलाओं को इसी आधार पर शामिल नहीं किया गया।प्री 1930 में सबसे पहले सामने आई थी। आज भी बहुत से लोग यही मानते हैं कि माहवारी शुरू होने से पहले महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलाव उनकी सोचने समझने की क्षमता पर भी असर डालते हैं। रिप्पन एक अन्य रिसर्च के आधार पर कहती हैं कि, माहवारी शुरू होने से पहले महिलाओं में बड़ी मात्रा में एस्ट्रोजन नाम का हार्मोन सक्रिय हो जाता है।और ये महिलाओं की सोचने समझने की शक्ति पर

सकारात्मक प्रभाव डालता है।

क्या महिलाओं और पुरुषों का दिमाग एक जैसा काम करता है?

रिप्पन कहती हैं कि बहुत सी धारणाएं समाज में इतनी गहरी जड़ जमा लेती हैं कि अगर उन पर रिसर्च की जाए तो नतीजे उन धारणाओं के मुताबिक आते हैं।।आखिर रिसर्चर भी तो इसी समाज का हिस्सा है। सामाजिक विचार उन्हें भी प्रभावित करते हैं। यहां तक कि खुद महिलाओं की सोच उन्हीं धारणाओं के अनुसार रूप लेने लगती है। इसमें कोई शक नहीं कि बुनियादी तौर पर हम सभी का मस्तिष्क एक जैसा काम करता है। लेकिन, आगे चलकर ये वैसे ही काम करता है जैसी उसे ट्रेनिंग दी जाती है। मगर, समाज सदियों से औरतों और मर्दों के बीच फर्क करता आया है। हद तो ये है कि हम बच्चे को खिलौने भी उसके लिंग के आधार पर देते हैं।।अगर कोई लड़का गुड़ियों से खेलने लगता है तो परिवार वालों को चिंता सताने लगती है कि बेटा किसी और दिशा में तो नहीं जा रहा है।यही बात लड़कों के संदर्भ में भी लागू होती है। हालांकि बहुत से लोगों का

कहना है कि खिलौनों में लिंग का भेद नहीं करना चाहिए।जबकि रिप्पन का कहना है कि बच्चों को ऐसे खेल और खिलौनों से खिलाया जाए जिससे उनके मस्तिष्क का विकास ज्यादा से ज्यादा हो सके। वो शुरुआत में ही लड़की-लड़के के बीच भेदभाव के चक्रव्यूह में ना फंस जाएं। बच्चों की ट्रेनिंग बिना किसी भेदभाव के होनी चाहिए।और ये काम एक मुहिम के तहत किए जाने की ज़रूरत है। ब्रिटेन में इसी के लिए Let Toys Be Toys नाम की मुहिम चलाई गई है।जबकि ऑस्ट्रेलिया में Play Unlimited नाम का अभियान चला कर लोगों को बच्चों में लड़की-लड़के का भेद खत्म करने के लिए प्रेरित किया जा सके। ऐसे अभियानों से आंशिक सफलता मिली भी है। लेकिन इसे व्यापक स्तर पर किए जाने की ज़रूरत है।

सच यही है कि हर इंसान का दिमाग बुनियादी तौर पर एक जैसा होता है। लेकिन उसके काम का तरीका हर इंसान में अलग-अलग होता है। दिमाग लड़की या लड़का होने की बुनियाद पर काम नहीं करता।हमारे मस्तिष्क को ये काम समाज और उसे दी जाने वाली ट्रेनिंग सिखाती है।

करके देखना होगा कि कैसा रहता है। शास्त्री ने कहा गुलाबी गेंद के अनुकूल बलन चुनौतीपूर्ण है। हमें देखना होगा कि गेंद का बर्ताव कैसा रहता है। टेस्ट क्रिकेट कैसा होगा। यह (गुलाबी गेंद) लाल गेंद से काफी कठोर और भारी है।

दो बाल श्रमिकों को कराया गया मुक्त

जोकीहाट : जोकीहाट प्रखंड के अलग-अलग प्रतिष्ठानों में काम कर रहे बाल श्रमिकों की मुक्ति के लिए गुरुवार को श्रम विभाग के धावा दलों ने कारवाई की। धावा दलों ने दो बच्चों को मुक्त कराया गया। एनएच 327 ई किनारे भेभरा चौक स्थित दो मोटर साइकिल गैरैज में काम कर रहे दो बच्चों को मुक्त कराया। दाऊद मोटरसाइकिल गैरैज में सुकसेना का तो मनोवर मोटर साइकिल गैरैज में जोकीहाट के ही एक बालक काम करते मिला। दोनों बाल श्रमिकों को बाल कल्याण समिति अररिया को सुपुर्द किया गया। बाल कल्याण समिति अररिया के निर्देश पर दोनों बच्चों को पूर्णिया बाल गृह भेजने की बात कही गई है। धावा दल में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी जोकीहाट विष्णुदेव प्रसाद, सिकंदी के शिवकुमार, अररिया के नूरुलाल चौधरी, फारबिसगंज के रंजन कुमार मिश्र, तटवासी समाज न्यास के जिला समन्वयक साकेत श्रीवास्तव और जोकीहाट थाना के दारोगा संतोष कुमार दल-बल के साथ शामिल थे।



